केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क- bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
# भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 198 रविवार 8 फरवरी 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

## एक नजर

### युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
जिले के दुबौलिया थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और जांच–पड़ताल के बाद शव को कब्जे में लेकर कानूनी कार्रवाई शुरू की।

पुलिस को डायल 112 के माध्यम से सूचना मिली थी कि केवटली गांव निवासी 26 वर्षीय अजय कुमार, पुत्र रामबहादुर, अपने घर के पास सागौन के पेड़ से बिजली के तार के सहारे लटका हुआ मिला है। सूचना मिलते ही दुबौलिया थाना पुलिस टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने मौके पर जमा भीड़ को नियंत्रित कर घटनास्थल को सुरक्षित किया।

फॉरेंसिक टीम ने मौके से आवश्यक साक्ष्य जुटाए। इसके बाद पुलिस ने शव का पंचायतनामा भरकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार, प्रथम दृष्टया यह मामला आत्महत्या का लग रहा है, लेकिन सभी पहलुओं की गहनता से जांच की जा रही है। मृतक के परिजनों से पूछताछ कर पारिवारिक और सामाजिक परिस्थितियों के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है।

### ट्रक से टकराई डीसीएम, चालक फंसा

भारतीय बस्ती संवाददाता–
हरैया थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे–27 पर शनिवार तड़के करीब 3 बजे एक सड़क हादसा हुआ। बिजरा के पास एक तेज रफ्तार डीसीएम आगे चल रहे ट्रक से पीछे से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि डीसीएम का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इस हादसे में डीसीएम का चालक वाहन के केबिन में घंटों तक फंसा रहा। सूचना मिलने पर हरैया पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। फायर कर्मियों ने रेस्क्यू उपकरणों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद चालक को बाहर निकाला। गंभीर रूप से घायल चालक को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। हादसे के कारण कुछ समय के लिए हाईवे पर यातायात प्रभावित हुआ, जिसे पुलिस ने नियंत्रित कर सुचारु कराया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

### जनसमस्याओं के निस्तारण के लिए तहसील दिवस आयोजित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। भानपुर तहसील सभागार में जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु तहसील दिवस का आयोजन जिलाधिकारी श्रीमती कृत्तिका ज्योत्स्ना की अध्यक्षता में किया गया। जिलाधिकारी ने तहसील दिवस में दूर–दराज से आए फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया तथा संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सभी शिकायतों का समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की मंशा है कि जनता को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए बार–बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी शिकायत को लंबित न रखा जाए तथा प्रत्येक प्रकरण की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। तहसील दिवस में कुल 50 शिकायते प्राप्त हुई जिसमे से 4 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। शेष शिकायतों को संबंधित विभागों को सौंपते हुए निर्धारित समय सीमा के भीतर समाधान करने के निर्देश दिए गए।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक यशवीर सिंह ने सुनवाई करते हुए पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि थानों से संबंधित मामलों को तत्परता से निस्तारण करायें।

## विरोधी कर रहे बसपा के खिलाफ साजिश सतर्क और सक्रिय रहें कार्यकर्ता–मायावती



**लखनऊ (आभा)।** बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने शनिवार को पार्टी की अहम बैठक बुलाई। मीडिया को संबोधित करते हुए आगामी यूपी विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि अब चुनाव होने में अब ज्यादा समय नहीं बचा है, इसलिए पार्टी के सभी नेता और कार्यकर्ता अभी से पूरी मजबूती के साथ तैयारी में जुट जाएं। एसआईआर के चलते पार्टी की गतिविधियां प्रभावित हुईं हैं। मायावती ने संगठन को मजबूत करने, बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने और जनता के बीच लगातार संपर्क बनाए रखने पर जोर दिया।

बीसएपी सुप्रीमो ने विपक्षी दलों पर भी आरोप लगाया कि कुछ राजनीतिक पार्टियां बीएसपी के खिलाफ साजिश कर रही हैं और पार्टी को कमजोर करने की कोशिशें हो रही हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे ऐसी साजिशों से सतर्क रहें और पार्टी की विचारधारा व नीतियों को मजबूती के साथ जनता तक पहुंचाएं। वहीं मौजूदा संसद के बजट सत्र में पक्ष–विपक्ष के बीच चल रहे गतिरोध को सियासी पार्टियों का खेला बताया।

मायावती ने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकारें जनहित के बजाय धर्म और जाति की राजनीति को बढ़ावा दे रही हैं, जिससे समाज में विभाजन और नफरत का माहौल बन रहा है। उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे गरीबों, ओबीसी, एससी–एसटी, अल्पसंख्यकों, किसानों, मजदूरों और छोटे व्यापारियों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाएं और जनता के बीच जाकर उनकी आवाज बनें।

मायावती ने कहा कि बीएसपी हमेशा सामाजिक न्याय और सर्वजन हिताय की राजनीति करती आई है और आगामी चुनावों में भी पार्टी जनता के मुद्दों को प्रमुखता से उठाएगी।बैठक में चुनावी रणनीति, संगठन विस्तार और जनसंपर्क अभियान को तेज करने पर भी चर्चा की गई।

उन्होंने भरोसा जताया कि मजबूत संगठन और सक्रिय कार्यकर्ताओं के दम पर पार्टी आने वाले चुनावों में बेहतर प्रदर्शन करेगी। इस बैठक में जिला, मंडल और विधानसभा स्तर के अध्यक्षों समेत कई वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल हुए

## विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का आयोजन 22 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं उ.प्र.राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार एवं माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बस्ती शमसुल हक के मार्गदर्शन में 22 फरवरी को अटल बिहारी वाजपेयी प्रेक्षागृह (बस्ती क्लब) में मेगा/बृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है।

उक्त शिविर के संबंध में परियोजना निदेशक/नोडल अधिकारी राजेश कुमार के सहयोग से शासकीय विभागों की बैठक अयोजित की गयी। बैठक में विभागों द्वारा उपरोक्त शिविर के संबंध में अपेक्षित सहयोग करने पर विचार विमर्श किया गया तथा उक्त शिविर में प्रतिभाग करने वाले समस्त आगंतुकों को सरकारी योजनाओं से लाभान्वित किये जाने पर भी विचार–विमर्श किया गया।

सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, राज बाबू द्वारा बताया गया कि उक्त मेगा शिविर में जिले के समस्त सरकारी विभागों से समन्वय स्थापित करके निर्बल वर्ग, दिव्यांगजन, बच्चों, स्त्रियों, निर्धन वर्ग, असंगठित क्षेत्र के श्रमिक तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति हेतु जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रदर्शन एवं प्रचार–प्रसार होगा एवं विभिन्न प्रकार की जन लाभकारी सरकारी योजनाओँ से लाभान्वित किये जाने वाले पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित किया जायेगा।

उक्त शिविर का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आम जनमानस में सरकारी योजनाओं का प्रचार प्रसार किया जाये जिससे कि वह जानकारी के अभाव में सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रह जायें। उक्त शिविर के माध्यम से लोगों को न केवल कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक किया जायेगा बल्कि उन्हें सरकारी योजनाओं से लाभान्वित भी किया जायेगा।

## 25 हजार के इनामी पशु तस्कर को पुलिस ने किया गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। हरैंया पुलिस ने मुजफ्फरनगर जिले के थाना नई मंडी क्षेत्र के ग्राम केकड़ा निवासी 25 हजार के इनामी पशु तस्कर सुहेल (21) को शनिवार की सुबह करीब पांच बजे महूघाट से गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ कोर्ट ने गैर जमानती वारंट जारी कर रखा था। पुलिस के अनुसार, वह जमानत के सिलसिले में बस्ती आ रहा था। मुखबिर की सूचना पर उसे पकड़ा गया। पुलिस आरोपी पर विधिक कार्रवाई कर रही है। पुलिस के अनुसार, पशु तस्कर पर हरैंया थाने में दो प्राथमिकी उत्तर प्रदेश गो–वध निवारण अधिनियम व धारा 11 पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के तहत दर्ज है। एक प्राथमिकी सहारनपुर जिले के सदर बाजार थाने में दर्ज है।

पुलिस इनामी पशु तस्कर को गिरफ्तार करने के लिए लंबे समय से हाथ–पांव मार रही थी, मगर वह पुलिस को लगातार चकमा दे रहा था। बताया जा रहा है कि इनामी पशु तस्कर ने बस्ती में अपना नेटवर्क खड़ा कर रखा था। यहां होने वाले पशु चोरी में भी उसका हाथ रहता था।

सूत्र बताते हैं कि पुलिस की पूछताछ में इनामी पशु तस्कर ने पश्चिमी यूपी के कई पशु तस्करों के नाम बताए हैं, जो इन दिनों पूर्वांचल के बस्ती और गोरखपुर मंडल में पशु तस्करी में सक्रिय हैं। पुलिस पशु तस्कारों की जानकारी मिलने के बाद अब उनकी सुराग लगाने में जुट गई है।

सूत्र बताते हैं कि जल्द ही बड़े पशु तस्कर गिरोह का भंडाफोड़ हो सकता है।

## आंदोलन की चेतावनी पर कोतवाली में बैठाये गये मेधा पार्टी नेता रूद्र



–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। यूजीसी वापसी एवं विवादित फिल्म घूसखोर पंडित पर प्रतिबंध लगाने की मांग को लेकर आंदोलन एवं पुतला दहन की चेतावनी देने के मामले में छात्र नेता आदर्श पाण्डेय रूद्र को पुलिस ने शनिवार को बस्ती कोतवाली में सुरक्षा घेरे में ले लिया।

दोपहर बाद कोतवाली से निकले मेधा नेता आदर्श पाण्डेय ने पुलिस अभिरक्षा में जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी को मांगो से सम्बंधित ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मांग किया गया है कि यूजीसी रेगुलेशन एक्ट लागू करने के कारण युनिवर्सिटी कैम्पस में द्वेषपूर्ण वातावरण खत्म करने के लिए वापसी अति आवश्यक है। जो नियम लागू किया गया है वह एक तरफा सामान्य वर्ग को अपराधी घोषित करने की मंशा की ओर अग्रसर हो रहा है, एवं पंडत घुसखोर फिल्म के नाम से स्पष्ट हो रहा है कि ब्राह्मण समाज के प्रति घृणित वातावरण का श्रृजन हो रहा है। ऐसी स्थिति में तत्काल प्रभाव से फिल्म पर प्रतिबंध लगाने एवं यूजीसी रेगुलेशन वापसी की मांग की गई है। ज्ञापन में चेतावनी देते हुये कहा की यदि इन मामलों पर कार्यवाही नहीं हुई तो मेधा पार्टी मजबूरी में समाज के कल्याण और सम्मान के लिए आन्दोलन को बाध्य होगी जिसकी जिम्मेदारी सरकार की होगी।

## विकसित भारत की दिशा में ले जाने वाला है केंद्रीय बजट –रमापति राम त्रिपाठी



–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। शनिवार को भारतीय जनता पार्टी कार्यालय बस्ती में केंद्रध प्रदेश बजट 2026–27 के संबंध में एक महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। इस प्रेस वार्ता में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद

रमापति राम त्रिपाठी उपस्थिति रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पार्टी के जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र द्वारा की गई। इस अवसर पर अभियान संयोजक चंद्रशेखर मुन्ना सहित पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता तथा प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के वरिष्ठ पत्रकारगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

प्रेस वार्ता के दौरान केंद्रीय बजट 2026–27 के विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बजट को युवा, किसान, महिला, गरीब एवं मध्यम वर्ग को सशक्त बनाने वाला बताया गया। साथ ही इसे विकसित भारत के लक्ष्य को गति देने वाला बजट बताया गया। बजट में इंफ्रास्ट्रक्चर विकास, रोजगार सृजन, उद्योग विस्तार, डिजिटल और तकनीकी क्षेत्र को बढ़ावा देने तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया गया है।

मुख्य अतिथि रमापति राम त्रिपाठी ने अपने संबोधन में कहा कि यह बजट विकसित भारत की सोच पर आधारित है और देश को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने कहा कि सेमीकंडक्टर, बायोफार्मा, इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग, डेडम और कृषि क्षेत्र में बड़े निवेश से युवाओं को बड़े पैमाने पर रोजगार मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि फिस्कल अनुशासन के साथ विकास को संतुलित करने की नीति इस बजट को मजबूत और दूरदर्शी बनाती है।

जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने कहा कि यह बजट उत्तर प्रदेश के विकास को नई गति देने वाला है। हाई–स्पीड रेल कॉरिडोर, राष्ट्रीय राजमार्ग विस्तार, लॉजिस्टिक नेटवर्क, एमएसएमई ग्रोथ फंड और कृषि में एआई आधारित तकनीक से प्रदेश के युवाओं, किसानों और उद्यमियों को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने कहा कि हर जिले में गर्ल्स हॉस्टल, शिक्षा और स्किल विकास योजनाएं तथा लैब की स्थापना से युवाओं को भविष्य की तकनीकी नौकरियों के लिए तैयार किया जाएगा।

इस मौके पर भानु प्रकाश मिश्र, वैभव पाण्डेय, गिल्लम चौधरी, अभिषेक कुमार, दिलीप पाण्डेय, अमृत कुमार वर्मा, विद्यामणि सिंह, राजकुमार शुक्ल, वागीश सिंह मौजूद रहे।

## एसआईआर की गड़बड़ियों पर भड़की सपा, राज्यपाल को भेजा ज्ञापन



–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। समाजवादी पार्टी ने शनिवार को जनपद की ज्वलंत जनसमस्याओं को लेकर जुलूस निकालकर प्रदर्शन किया। सपा जिलाध्यक्ष व विधायक महेन्द्र नाथ यादव के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर राज्यपाल को संबोधित आठ सूत्रीय ज्ञापन जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा।

ज्ञापन में समाजवादी पार्टी ने एसआईआर प्रक्रिया के तहत बाहरी व फर्जी तत्वों द्वारा मतदाता सूची से छेड़छाड़ किए जाने की आशंका जताई। पार्टी ने इसकी उच्चस्तरीय जांच कराने और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की। इसके साथ ही जनपद में लगातार बिगड़ती कानून–व्यवस्था, बढ़ते अपराध, तथा महिलाओं व बालिकाओं के विरुद्ध हो रही घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए प्रभावी कार्रवाई की मांग की गई। पार्टी ने जिले में हो रहे अवैध बालू खनन पर तत्काल रोक लगाने और जिम्मेदारों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। किसानों से जुड़े मुद्दों को उठाते हुए सपा ने कहा कि यूरिया खाद के वजन में की गई कटौती के अनुपात में उसके मूल्य में भी कमी की जाए। इसके अलावा वाल्टरगंज व अठदमा चीनी मिल से जुड़े किसानों व कर्मचारियों के लंबित बकाये का शीघ्र भुगतान सुनिश्चित करने की मांग की गई।

ज्ञापन में विद्युत विभाग के संविदा कर्मियों की छंटनी को निरस्त कर उन्हें पुनः कार्य पर रखने की मांग भी शामिल रही। साथ ही संत शिरोमणि रविदास जी के नाम से स्थापित वन विहार में उनकी प्रतिमा स्थापित किए जाने की मांग की गई।

इस अवसर पर सपा जिलाध्यक्ष व विधायक महेन्द्र नाथ यादव ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि प्रशासन द्वारा मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो समाजवादी पार्टी जनहित में आंदोलन करने को बाध्य होगी। प्रदर्शन के दौरान पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे

## परशुरामपुर एसआई अजय कुमार गौड़ का तीसरे दिन भी नही मिला कोई सुराग



–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। परशुरामपुर थाना प्रभारी का कार्यभार संभाल रहे एसआई अजय कुमार गौड़ 48 घंटे से लापता हैं। उनका अब तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है। पत्नी ने कहाकि 5 फरवरी को आखिरी बार पति से बात हुई। इस घटना से पुलिस महकमे और आम जनता में चिंता बढ़ गई है।

जानकारी के अनुसार, परशुरामपुर थाना अध्यक्ष विश्व मोहन राय के अवकाश पर जाने के बाद उपनिरीक्षक अजय कुमार गौड़ को थाने का प्रभार सौंपा गया था। लेकिन नए प्रभारी अजय कुमार गौड़ किसी आवश्यक कार्य से बाहर निकले थे। लगभग 48 घंटे से ज्यादा का वक्त बीत जाने के बाद भी उनका कोई पता नहीं चल सका है। उनका निजी मोबाइल फोन और थाने का सीयूजी नंबर, दोनों ही बंद आ रहे हैं। लापता होने के लगभग 24 घंटे बाद बस्ती जनपद के अमहट घाट पर एक लावारिस मोटरसाइकिल बरामद की गई है। पुलिस इसे एसएसआई अजय कुमार गौड़ से संबंधित मान रही है। मोटरसाइकिल मिलने के बाद पुलिस प्रशासन सक्रिय हुआ और शनिवार सुबह से गोताखोरों द्वारा नदी में सघन तलाश अभियान चलाया जा रहा था। 5 तारीख की शाम लगभग 3 बजे उनकी आखिरी बार अपने पति से बात हुई थी। इसके बाद 8 से 9 बजे के बीच उन्होंने दोबारा संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन फोन बंद मिला। 6 तारीख की सुबह भी फोन बंद मिलने पर उन्होंने थाने के अन्य स्टाफ से संपर्क किया, जिसके बाद मामले की जानकारी सामने आई। रंजीता ने यह भी बताया कि अजय कुमार गौड़ को पूर्व में दुबौलिया थाने में तैनाती के दौरान एक नाबालिग बच्चे की मौत के मामले में धमकियां मिली थीं। उन्होंने इस बात की जानकारी पहले ही परिजनों को दे दी थी। उस समय उन्हें लाइन हाजिर भी किया गया था। पत्नी ने इस पहलू से भी मामले की जांच की मांग की है। महत्वपूर्ण तथ्य यह भी सामने आया है कि थाने में सफाई कर्मी के रूप में तैनात पंकज नामक युवक के साथ अजय कुमार गौड़ को थाने से निकलते समय आखिरी बार देखा गया था। पत्नी रंजीता ने इस बिंदु को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं और इसकी निष्पक्ष जांच की मांग की है।

प्रारंभिक चर्चाओं में यह भी कहा जा रहा था कि पारिवारिक कलह के चलते वे स्वयं थाना छोड़कर चले गए हैं, लेकिन यह बात असत्य और निराधार बताई गई है। सीओ स्वर्णिमा सिंह ने बताया कि अजय कुमार गौड़ की गुम होने का कोई कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। थाना क्षेत्र के साथ–साथ पूरे जनपद व गैर जनपद नात रिश्तो के घर पूछताछ की जा रही है, साथ ही परिजन को भी अवगत करा दिया गया है। परिजन के द्वारा भी कोई आशंका नहीं जताया गया है। फिलहाल हमारी टीम जांच पड़ताल में लगी हुई है। परशुरामपुर थाना अध्यक्ष विश्वमोहन राय ने कहा कि सुबह जब मैंने अजय कुमार गौड़ को किसी कार्य के लिए फोन किया तो उनका नंबर बंद मिला। इसके बाद अन्य स्टाफ को सूचित किया गया और पता न चलने पर थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई।

## अधिवक्ताओं ने यूजीसी के नए नियमों का किया समर्थन, राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपा




–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। शनिवार को अधिवक्ताओं ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के प्रस्तावित नए नियमों के समर्थन में कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन किया। उन्होंने यूजीसी बिलदृ 2026 को शीघ्र लागू करने की मांग की। प्रदर्शन के बाद, अधिवक्ताओं ने राष्ट्रपति को संबोधित एक ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से सौंपा। आज्ञाराम यादव, प्रदीप यादव, संदीप गोयल, बुद्धि प्रकाश, सत्येंद्र यादव और रवि यादव जैसे अधिवक्ताओं के नेतृत्व में हुए इस प्रदर्शन में, वक्ताओं ने कहा कि यूजीसी के नए नियम उच्च शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

महिपाल पटेल, मयंक चौरसिया और राम प्रसाद चौरसिया एडवोकेट ने बताया कि इन नियमों से शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता बढ़ेगी, शिक्षण संस्थानों की गुणवत्ता में सुधार होगा और विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिलेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ स्वार्थी तत्व इन सुधारात्मक प्रयासों का विरोध कर रहे हैं, जिससे शिक्षा प्रणाली को नुकसान हो सकता है।

अधिवक्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि केंद्र सरकार ने यूजीसी बिलदृ 2026 को जल्द लागू नहीं किया तो आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा। एडवोकेट भालचंद्र यादव, विजय चौधरी, देवेंद्र कुमार और आलोक प्रसाद ने स्पष्ट किया कि यह आंदोलन केवल अधिवक्ताओं तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसमें शिक्षाविदों और समाज के विभिन्न वर्गों की भागीदारी भी सुनिश्चित की जाएगी। प्रदर्शन के दौरान यूजीसी के समर्थन में नारे लगाए गए और सरकार से शीघ्र निर्णय लेने की अपील की गई। वक्ताओं ने जोर दिया कि शिक्षा राष्ट्र की रीढ़ है और इसमें सुधार के लिए उठाए गए सकारात्मक कदमों का समर्थन किया जाना चाहिए। इस अवसर पर मुकेश कुमार प्रजापति, रवि चंद्र यादव, ईश्वर लाल चौधरी सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद थे।

*"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"*—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 8 फरवरी 2026 रविवार

## सम्पादकीय

### सोशल मीडिया की उपयोगिता और दुष्प्रभाव

बच्चों व किशोरों की सोशल मीडिया पर बढ़ती अति–सक्रियता अभिभावकों ही नहीं, देश के लिये भी एक गंभीर चिंता का विषय है। छात्रों का पढ़ाई से भटकाव व एकाग्रता में गिरावट समय की बड़ी फिक्र है। इसी बीच इकोनॉमिक सर्वे में सोशल मीडिया तक उम्र के हिसाब से पहुंच का सुझाव एक स्वागत योग्य कदम है। सालों से, डिजिटल विस्तार को एक बिना शर्त अच्छे बदलाव के रूप में देखा जाता रहा है। कहा जाता रहा है कि सोशल मीडिया तक पहुंच को लोकतांत्रिक बनाने, डिजिटल लिटरेसी की खामियों को दूर करने और शिक्षा को आधुनिक बनाने में डिजिटल क्रांति सहायक है। निश्चित रूप से आर्थिक सर्वे में इस बाबत उल्लेख एक असहज करने वाली सच्चाई को संतुलित करने का प्रयास करता है। यह स्वीकार किया जा रहा है कि बिना रोक–टोक के डिजिटल एक्सपोजर तेजी से एक सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता बनता जा रहा है। सही मायनों में डिजिटल लत को मानसिक स्वास्थ्य, शैक्षणिक प्रदर्शन और उत्पादकता को प्रभावित करने वाली समस्या के रूप मे पहचानते हुए, सर्वे इस बहस को तथ्यों पर आधारित नीति बनाने की जरूरत बताता है। इसकी सिफारिश है कि उम्र के हिसाब से एक्सेस की सीमाएं तय करने, उम्र की वेरिफिकेशन के लिये प्लेटफॉर्मों की जवाबदेही निर्धारित करने, बच्चों के लिये सरल डिवाइस बनाने और ऑनलाइन कक्षाओं पर निर्भरता कम करने की आवश्यकता है। सही मायनों में इस मुद्दे पर वैश्विक सहमति का ही अनुसरण किया जा रहा है। वास्तव में बच्चों को सम्मोहित करने वाले डिजिटल डिजाइनों से उन्हें सुरक्षा उपलब्ध कराने की भी जरूरत है। जो कोमल मन–मस्तिष्क वाले बच्चों पर खासा नकारात्मक प्रभाव डालते हैं। निश्चित रूप से डिजिटल लत के शिकार होते बच्चों व किशोरों के, शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के मद्देनजर राष्ट्रीय स्तर पर नीति–निर्धारण समय की मांग है। इसके अलावा इस बाबत सामूहिक जिम्मेदारी पर जोर देना भी उतना ही जरूरी है। तभी इस संकट का आशाजनक समाधान तलाशना संभव हो सकेगा।

वहीं दूसरी ओर, इस संकट से उबरने के लिये प्लेटफॉर्म लेवल सेफ्टी और फैमिली डेटा प्लान की भी मांग की जा रही है। जो पढ़ाई की जरूरत और मनोरंजन के लिये डिजिटल प्लेटफॉर्म के लिए इस्तेमाल का फर्क कर सके। इसके साथ ही हालिया आर्थिक सर्वे में इस बात को स्वीकार किया गया है कि माता–पिता पहले से ही यह जानते हैं कि व्यक्तिगत कंट्रोल बड़े पैमाने से इस समस्या का समुचित हल नहीं निकाल सकता है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हुए प्रयास इस तथ्य की पुष्टि करते हैं। यही वजह है कि आस्ट्रेलिया व फ्रांस जैसे विकसित देशों में सरकारों को इस दिशा में सख्त पहल करनी पड़ी। एक ओर जहां आस्ट्रेलिया ने सोलह साल से कम उम्र वाले बच्चों की सोशल मीडिया तक पहुंच पर रोक लगायी है, वहीं फ्रांस ने पंद्रह साल से कम उम्र वाले बच्चों की सोशल मीडिया तक सीधी पहुंच को रोकने को कदम उठाये हैं। कुछ अन्य देशों में भी सरकारें तेजी से सख्त सीमाएं तय करने की दिशा में काम कर रही हैं। आज जहां भारत में स्मार्टफोन के इस्तेमाल की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। वैसे भारत जैसे देश जहां युवाओं की आबादी बहुत ज्यादा है, वहां डिजिटल क्रांति से पूरी तरह अलग भी नहीं रहा जा सकता। ऐसे में एक नियम से ही सबको नियंत्रित करना संभव नहीं होगा। इसके बावजूद हमें स्वीकारना होगा कि विदेशी प्लेटफॉर्मों से प्रसारित अपसंस्कृति भारतीय किशोरों को पथभ्रष्ट करने में घातक भूमिका निभा रही है। जिससे देश में किशोरों की यौन अपराधों में संलिप्तता का खतरा बढ़ रहा है। ये अपसंस्कृति न केवल समय से पहले बच्चों को वयस्क बना रही है, बल्कि उनमें मानवीय संवेदनाओं का भी क्षरण कर रही है। जो किसी भी सभ्य समाज के लिये एक गंभीर चुनौती है। खासकर भारत जैसे देश में जहां सांस्कृतिक मूल्यों व संबंधों में शुचिता को हमेशा प्राथमिकता दी जाती रही है। इस बाबत सरकार की सख्त पहल और अभिभावकों की सजगता मिलकर ही समस्या का समाधान निकाल सकती है।

# ज्ञान, स्क्रीन और संवेदना का संकट

—डॉ. सत्यवान सौरभ—

"ज्ञान बढ़ा पर भाव क्या, अब भी मन लाचार"कृयह पंक्ति केवल एक दोहा नहीं, बल्कि इक्कीसवीं सदी के मनुष्य की सामूहिक आत्मस्वीकृति है। हमने जितना ज्ञान अर्जित किया है, उतना शायद मानव इतिहास के किसी भी कालखंड में नहीं किया गया। सूचनाएँ उँगलियों पर नाच रही हैं, दुनिया एक छोटे से स्क्रीन में सिमट आई है और विज्ञान ने जीवन को सुविधाओं की पराकाष्ठा तक पहुँचा दिया है। इसके बावजूदकृया शायद इसी कारणकृमनुष्य भीतर से पहले से अधिक असहाय, असंतुलित और बेचौन दिखाई देता है। आज का संकट ज्ञान के अभाव का नहीं, बल्कि विवेक, संवेदना और ठहराव के लुप्त होने का संकट है।

स्क्रीन की चकाचौंध ने केवल हमारी आँखों को नहीं, हमारी चेतना को भी प्रभावित किया है। मोबाइल, लैपटॉप और डिजिटल माध्यमों ने सूचना को लोकतांत्रिक तो बनाया, पर सोच को गहराई नहीं दी। हम पहले से कहीं अधिक पढ़ते हैं, पर पहले से कहीं कम समझते हैं। हम देखते बहुत हैं, पर महसूस कम करते हैं। हर पल अपडेट रहना आज सचेत होने की पहचान बन गया है, लेकिन इसी निरंतर अपडेट ने मनुष्य को भीतर से थका और खाली कर दिया है। सोशल मीडिया पर विचार नहीं, प्रतिक्रियाएँ जन्म लेती हैं। वहाँ ठहराव नहीं, केवल तात्कालिक उत्तेजना है। सच और झूठ, गंभीरता और सतहीपन, संवेदना और सनसनीकृसब एक ही मंच पर समान महत्व के साथ परोसे जा रहे हैं। ऐसे वातावरण में सत्घविचार, जो समय, मौन और आत्मसंवाद से उपजते हैं, धीरे–धीरे विलुप्त होते जा रहे हैं।

आज का मनुष्य ऐसे समय में जी रहा है जहाँ संवाद लगातार हो रहा है, पर संवादहीनता भी उतनी ही गहरी है। मोबाइल के कक्ष में आवाजें चिल्ला रही हैंकृकॉल, मैसेज, वीडियो, मीटिंग्स, रील्सकृहर ओर शोर है। लेकिन इसी शोर के बीच मनुष्य अपने ही भीतर की आवाज सुनने की क्षमता खो बैठा है। बाहर की बातचीत बढ़ी है, भीतर का संवाद घटा है। जब भीतर की खामोशी को सुना नहीं जाता, तो वह धीरे–धीरे कुंठा, आक्रोश और असंतुलन में बदल जाती है। आज रिश्तों में बढ़ता तनाव, समाज में बढ़ती असहिष्णुता, ऑनलाइन अपमान और वास्तविक जीवन में बढ़ती असंवेदनशीलताकृ ये सब उसी अनसुनी खामोशी के लक्षण हैं।

हम बोलना जानते हैं, पर सुनना भूल चुके हैं। न दूसरों की पीड़ा सुन पाते हैं, न अपने मन की बेचौनी को समझ पाते हैं। संवाद की यह विफलता केवल व्यक्तिगत नहीं, सामाजिक भी है। जब समाज सुनना छोड़ देता है, तो असहमति शत्रुता में बदल जाती है और विचार विमर्श के स्थान पर टकराव जन्म लेता है।

विज्ञान ने निस्संदेह मानव जीवन को अभूतपूर्व सुविधाएँ दी हैं। रोगों पर नियंत्रण, संचार की गति, यात्रा की सरलता और उत्पादन की क्षमताकृइन सब क्षेत्रों में विज्ञान ने क्रांति की है। लेकिन इसी विज्ञान से यह अपेक्षा भी जुड़ी थी कि वह मनुष्य को अधिक संतुलित, अधिक संवेदनशील और अधिक जिम्मेदार बनाएगा। दुर्भाग्यवश, ऐसा नहीं हुआ। विज्ञान ने हमें शक्ति दी, पर संयम नहीं सिखाया। गति दी, पर विराम नहीं। साधन दिए, पर मर्यादा नहीं।

आज सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं है कि हम क्या कर सकते हैं, बल्कि यह है कि हमें क्या करना चाहिए और क्या नहीं। तकनीक हमें आगे बढ़ने के असंख्य रास्ते दिखाती है, पर यह नहीं बताती कि कब रुकना है। यह निर्णय विवेक करता है, और विवेक का विकास मशीनों से नहीं, मानवीय मूल्यों से होता है।

हमने ज्ञान को केवल संग्रहण तक सीमित कर दिया है। डिग्रियाँ बढ़ीं, पर दृष्टि संकुचित होती गई। विशेषज्ञता बढ़ी, पर समग्र समझ घटती चली गई। आज का शिक्षित व्यक्ति भीड़ में शामिल होने में तेज है, पर अकेले खड़े होकर सच बोलने में हिचकता है। यह शिक्षा का नहीं, सूचना के बोझ का परिणाम है। ज्ञान जब संवेदना से कट जाता है, तो वह अहंकार बन जाता है। तकनीक जब विवेक से कट जाती है, तो वह नियंत्रण के बजाय वर्चस्व का साधन बन जाती है।

इस स्थिति का समाधान तकनीक को नकारने में नहीं, बल्कि उसे मानवीय मूल्यों के अधीन रखने में है। स्क्रीन से भागना संभव नहीं, पर उसके सामने नतमस्तक होना भी अनिवार्य नहीं। हमें फिर से मौन का महत्व समझना होगा। हमें संवाद को केवल बोलने की प्रक्रिया नहीं, सुनने की कला बनाना होगा। ज्ञान को आत्मचिंतन से जोड़ना होगा और विज्ञान को नैतिकता के साथ संतुलित करना होगा।

परिवार, शिक्षा और समाजकृतीनों स्तरों पर यह पुनर्संरचना आवश्यक है। बच्चों को केवल स्मार्ट नहीं, संवेदनशील बनाना होगा। शिक्षा को केवल प्रतिस्पर्धा का मैदान नहीं, बल्कि मानवीय विकास का माध्यम बनाना होगा। समाज को यह स्वीकार करना होगा कि गति के साथ ठहराव भी उतना ही आवश्यक है।

आज आवश्यकता किसी नए आविष्कार की नहीं, बल्कि पुरानी मानवीय समझ की पुनर्स्थापना की है। तकनीक हमारे जीवन का साधन बने, लक्ष्य नहीं। संवाद शोर नहीं, सेतु बने। और ज्ञान केवल बढ़े नहीं, मनुष्य को बेहतर बनाए।

यदि हम यह संतुलन नहीं बना पाए, तो आने वाली पीढ़ियाँ शायद अत्यंत उन्नत होंगीकृपर भीतर से और भी अधिक लाचार।

## भारत–यूरोपियन यूनियन का ऐतिहासिक व्यापार समझौता

—मृत्युंजय दीक्षित—

भारत और यूरोपियन यूनियन के मध्य 27 जनवरी 2026 को हुआ ससझौता एक व्यापक बदलाव वाला समझौता है। यह बहु प्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौता बिना किसी दबाव के, लम्बी सहज सरल वार्ताओं के उपरांत यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वान डेर लेयेन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में सपंन्न हुआ। इस समझौते से भारत और यूरोप के के मध्य व्यापारिक संबंधों के प्रगाढ़ होने की प्रबल सम्भावना है। भारत और यूरोपियन यूनियन के साथ हुआ यह समझौता वर्ष 2027 में लागू होगा और तब तक सभी 27 सदस्य देशों की संसद के द्वारा इसका पारण किया जाएगा। यह समझौता कई दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण है इससे सर्वाधिक लाभ कृषि व किसानों को होगा क्योंकि डेयरी सेक्टर आदि इससे मुक्त रखा गया है। इससे कपड़ा, चमड़ा व फुटवियर, हस्तशिल्प फर्नीचर आदि क्षेत्रो के लिए नए अवसर खुलेंगे। इलेक्ट्रानिक उत्पादों पर टैरिफ 14 प्रतिशत से घटकर शून्य रह जाएगा जिस कारण विनिर्माण क्षेत्र में तेजी से सहायता प्राप्त होगी। यूरोपीय बाजारों में आसान पहुंच से बिल्ड इन इंडिया आपूर्ति श्रृंखला को मजबूती मिलेगी और भारत तेजी से निर्यात बढ़ाने में सक्षम होगा। रत्न आभूषणों पर भी टैरिफ शून्य हो जाएगा जिस कारण डिजाइन और शुद्धता आधारित आभूषण निर्यात में यूरोपीय बाजारों के साथ वैश्विक स्तर पर भारत की बढ़त मजबूत होगी। टैरिफ में कटौती से यूरोपीय बाजारों मे पहुंच होगी लागत कम होगी जिससे प्लेन सोने और जड़े हुए आभूषणों की ईयू में मांग बढ़ेगी। यूरोपीय थोक विक्रेता एवं बड़े ब्रांड के साथ गहरे संबंध बनाने और नए आर्डर पाने के अवसर भी मिलेंगे। मुक्त व्यापार समझौता कृषि और समुद्री खाद्य उत्पादों का निर्यात बढ़ाने में सक्षम होगा। किसानों और तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों की आय मे वृद्धि होगी। मछली पालन प्रोसेसिंग और लॉजिटिक्स क्षेत्र में नौकरियां बढेंगी। काली मिर्च और इलायची जैसे मसाले यूरोप में बेहतर पहुंच का लाभ उठा सकेंगे।समझौता लागू हो जाने के बाद फार्मा –मेडिकल उपकरणों से भी टैरिफ घटकर शून्य हो जाएगा । यह समझौता लागू हो जाने के बाद भारत के 17 राज्यों को इसका प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। इनमें पंजाब, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना ,पश्चिम बंगाल और असम जैसे राज्यों को बड़ा लाभ होगा। उत्तर प्रदेश को भी इस समझौते का बड़ा लाभ मिलेगा। ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते के कारण प्रदेश की ओद्यौगिक क्षमता कृषि उत्पादन और एसएमएमई सेक्टर को नई गति मिलने की सम्भावना है। अभी यूपी से होने वाले कुल निर्यात में यूरोपीय संघ की हिस्सेदारी 9 से 12 प्रतिशत है यानी अभी हर वर्ष 210 हजार करोड़ रु का निर्यात होता है जो आगामी पांच वर्ष में बढ़कर 40 हजार करोड़ रु होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। मुक्त व्यापार समझौता लागू हो जाने के बाद भारतीयों के लिए यूरोपीय कारें सस्ती और सुलभ हो जाएंगी।

यह एफटीए मात्र एक रणनीतिक दस्तावेज नहीं अपितु भारत और यूरोपियन यूनियन के लिए बदलते वैश्विक व्यापार वातावरण में आगे बढ़ाने का अवसर देने वाला महत्वपूर्ण पड़ाव है। इस समझौते के धरातल पर उतरने के कारण एक नई आर्थिक क्रांति का उदय होगा। यूरोपियन बाजारों में 93 प्रतिशत भारतीय निर्यात को बिना शुल्क प्रवेश प्राप्त होने जा रहा है यह कोई सामान्य बात नहीं है। यही कारण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने "मन की बात" में उद्यमियो को गुणवत्ता (क्वालिटी, क्वालिटी और क्वालिटी) का मूल मंत्र दिया है। अब भारतीय उद्यमियों को अपने उत्पादों की गुणवत्ता और उत्पादकता का स्तर उन्नत करना ही होगा। मुक्त व्यापार समझौता लागू होने के अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह हमारे किसानों तथा छोटे उद्योगों की यूरोपीय बाजारों तक पहुँच आसान बनाएगा । मैन्युफैक्चरिंग में नए अवसर पैदा करेगा। वैश्विक स्तर पर आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करेगा। यह सिर्फ व्यापार समझौता नही है यह साझा समृद्धि का नया ब्लू प्रिंट है। बदलती वैश्विक व्यवस्था, बढती भू राजनैतिक अनिश्चितता और अंतरराष्ट्रीय तनावों के बीच भारत और यूरोपीय संघ की यह ऐतिहासिक साझेदारी वैश्विक स्थिरता को मजबूती प्रदान करेगी। स्वाभाविक है कुछ वैश्विक ताकतें इस समझौते से असहज हैं। अमेरिका के टैरिफ वार के बीच भारत ने दुनिया के दूसरे देशों को एक नई राह दिखाई है। यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) की सहमति ने भारत के लिए 27 देशों के बाजारों को खोल दिया है। यह समझौता अब तक का सबसे बड़ा और प्रभावी व्यापार समझौता बन गया है। यही कारण है कि इसे मदर ऑफ ऑल डील्स कहा जा रहा है।

## अमिताव घोष के सृजन में कल्पना और सच का जादुई मिश्रण

—ज्योति मल्होत्रा—



**मेधावी लेखक अमिताव घोष इन दिनों अपनी नई किताब 'घोस्ट आई' के प्रचार लिए अपनी मातृभूमि में यात्रा कर रहे हैं, जी बिल्कुल, वे पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश या जम्मू–कश्मीर के आस–पास भी कहीं नहीं आ रहे, क्योंकि ऐसा लगता है कि इस क्षेत्र में साहित्य–सम्मेलनों की भरमार के बावजूद –जिसमें चंडीगढ़ में होने वाले दो सम्मेलन भी शामिल हैं, और दोनों में ध्यान ज़्यादातर इस बात पर केंद्रित रहता है कि वहां आपने किस–किस हस्ती को देखा बजाय इसके कि आपने यह वाली किताब पढ़ी है या नहीं देश के इन हिस्सों में पाठकों का बाजार ज़्यादा बड़ा नहीं है। (किताबों से जुड़े लोग भी इस बारे में जानते हैं)।**

लेखक अमिताव घोष की नवीनतम पुस्तक 'घोस्ट आई' दिखावे से परे असीम प्रेम की गाथा है। वे ब्रह्मांड को समेटने की कोशिश करते हैं, पूर्व जन्मों को, इंसानों और गैर–इंसानों को भी। उनके लेखन की खासियत है कि वे सच और परिकल्पना को एक जादुई मिश्रण में ढाल देते हैं और उसे अपना बना लेते हैं।

मेधावी लेखक अमिताव घोष इन दिनों अपनी नई किताब 'घोस्ट आई' के प्रचार लिए अपनी मातृभूमि में यात्रा कर रहे हैं, जी बिल्कुल, वे पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश या जम्मू–कश्मीर के आस–पास भी कहीं नहीं आ रहे, क्योंकि ऐसा लगता है कि इस क्षेत्र में साहित्य–सम्मेलनों की भरमार के बावजूद –जिसमें चंडीगढ़ में होने वाले दो सम्मेलन भी शामिल हैं, और दोनों में ध्यान ज़्यादातर इस बात पर केंद्रित रहता है कि वहां आपने किस–किस हस्ती को देखा बजाय इसके कि आपने यह वाली किताब पढ़ी है या नहीं दृ देश के इन हिस्सों में पाठकों का बाजार ज़्यादा बड़ा नहीं है। (किताबों से जुड़े लोग भी इस बारे में जानते हैं)।

तो यहां अमिताव घोष के बारे में पहलू यह है – शायद वे उन सबसे ज्यादा गैर–मिलनसार लोगों में एक हैं जिनसे आपकी भेंट हुई होगी। वह रूखे हैं, यहां तक कि चिड़चिड़े भी। पिछली एक किताब की बाबत एक इंटरव्यू में, उन्होंने पुस्तक के बारे में बात ही करने से मना कर दिया था। दशकों पहले मैं उनके पूर्व प्रकाशक रवि दयाल की ओर से उन्हें भेजी गईं कुछ किताबों का बंडल, जो सिर्फ दक्षिण एशिया में छपी थीं, नई दिल्ली से न्यूयॉर्क ले कर गई थी – कई ईमेल के बाद हम एक कॉफी शॉप में मिले और मैंने सोचा, वाह, यहां मुझे इस मूर्धन्यता के पीछे के इंसान को जानने का मौका मिलेगा। लेकिन वह शख्स अंदर आये, मुझसे किताबें लीं, हल्की सी मुस्कान के साथ धन्यवाद कहा, मुड़े और चला गये। मुझे लगा कि मैं एक ऐसी कॉफी के लिए कई डॉलर ज़्यादा ही खर्च कर डाले, जो पीने में न तो गर्म थी और न ही स्वादिष्ट।

बहरहाल, अगर आप जब उनका काम पढ़ना शुरू कर रहे हैं तो शुरुआत आपको 'द ग्लास पैलेस' से करनी चाहिए, एक ऐसी कहानी जो ताउम्र आपके याद रहेगी, कथानक भारत और बर्मा के बारे में है, मुश्किलों और यातनाओं का एक ऐसा सिलसिला जो महान राजा थिबाव की मुसीबतों से संबंधित है, जिन्हें अंग्रेजों ने उनके प्यारे मांडले से निकालकर महाराष्ट्र के तट पर रत्नागिरी में नजरबंद कर दिया था, जहां पर 1916 में उनकी मृत्यु एकाकीपन में हुई दृ सनद रहे, अंग्रेजों ने 1857 के असफल विद्रोह के बाद बहादुर शाह जफर को भी रंगून निर्वासित कर दिया था, जहां पर 1862 में वे अपने अंतिम समय तक रहे। इन दिनों, जब चीजें बिखर रही हैं, तब हम भारत और उसके पूर्वी पड़ोसी म्यांमार के बीच रहे गहरे रिश्तों को भुला देते हैं। 2000 में जब अमिताव ने 'ग्लास पैलेस' लिखी और इतिहास की किताबों से इतिहास के नाटकीय पन्नों को फिर से सामने लाये, तब आप साफ तौर पर देखते कि भारत और बर्मा, दोनों देश जब ब्रिटिश राज का हिस्सा बने, अंग्रेजों ने किस प्रकार दो राजवंशों का निष्ठुरता से विनाश किया, 1935 में बर्मा के एक आजाद देश बनने तक, भारतीय रेलवे कोलकाता को रंगून–यांगून से जोड़ती थी और लोग बिना किसी भय या सीमा, पासपोर्ट या वीजा जैसी चीजों की अनिवार्यता बगैर एक से दूसरी जगह आते–जाते थे, काम करते थे, शादी करते थे, संतान पैदा करते थे, ठीक वैसे ही जैसा हिमालय से लेकर हिंद महासागर तक फैले विशाल भारतीय उपमहाद्वीप में कहीं और होता थाय कि दूसरे विश्व युद्ध का एक बड़ा हिस्सा न केवल यूरोप और अफ्रीका के युद्ध क्षेत्रों में लड़ा गया बल्कि बर्मा और मलाया भी रणक्षेत्र रहा, जिसको अब दक्षिण–पूर्व एशिया कहते हैंय और यह कि भारतीय सैनिक हर जगह लड़े, पूर्व व पश्चिम में, करीब 25 लाख सैनिक, जिनमें आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक 87,000 योद्धा मारे गए– एक ऐसे देश या गठबंधन की ओर से लड़ते हुए जो उनका अपना था भी नहीं।

अमिताव घोष की यही खासियत है कि वे सच और परिकल्पना को एक जादुई मिश्रण में ढाल देते हैं और उसे अपना बना लेते हैं। इसलिए जब बीते हफ्ते यूके के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर चीन गए और आपने उनकी शी जिनपिंग के साथ हाथ मिलाते हुए तस्वीरें देखीं, तो आपका दिमाग जरूर अमिताव की 'इबिस ट्रिलॉजी' की तरफ गया होगा। बेशक, प्यार तो उन अनजानी जगहों पर भी पनप सकता है जिसके बारे में कभी सोचा न हो, क्योंकि लोगों की जीवनध ारा रूपी नाटक का भव्य मंचन महाद्वीपीय सीमाओं से परे भी होता रहता है, जिसमें युद्ध, व्यापार और वह अंतिम चीज, अफीम भी शामिल है।

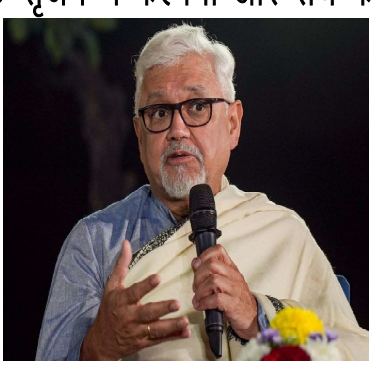

'रिवर ऑफ स्मोक' बताती है कि क्यों कई चीनी इतिहासकारों का मानना है कि वर्ष 1839 ने 'अपमान की सदी' की शुरुआत की, जो अफीम युद्धों से शुरू हुई और 1949 में खत्म हुई जब माओ ने अपने असंगठित योद्धाओं के समूह का नेतृत्व करते हुए बीजिंग के बीचों–बीच स्थित 'मध य राजशाही' (चीन का एक अन्य नाम) का तख्तापलट कर दिया था। एक कहानी जो 'सी ऑफ पॉपीज' नामक शीर्षक से शुरू होती है, उसका संबंध पूर्वांचल में गंगा के किनारे गाजीपुर में बनी अफीम फैक्ट्री और दुनिया भर में भारतीयों के बंधुआ मजदूर के रूप में प्रवास से जोड़कर देखें। अफीम, इसका लाभदायक व्यापार, साम्राज्य बनाने और राष्ट्रवाद को कुचलने, दोनों में इसकी भूमिका, 'रिवर ऑफ स्मोक' और 'फ्लड ऑफ फायर' में कहानी का विषय हैं।

'द शैडो लाइन्स' के नए संस्करण शायद आजकल छप नहीं रहे दृ हालांकि, जिस गति से आज की तारीख में बांग्लादेश की राजनीति बदल रही है, उसे देखते हुए आप शायद नजदीकी लाइब्रेरी में वापस जाकर इसे ढूंढना चाहें। अब बात करते हैं। अब सीधे 'गन आइलैंड' पर आते हैं, जो मकड़ियों, आप्रवासन और पर्यावरण आपदाओं को लेकर बुनी एक शानदार फंतासी है, जोकि वेनिस, कोलकाता और सुंदरबन के बीच घूमती रहती है। नागों की देवी, मनसा देवी की गाथा सबसे पहले यहीं प्रकट होती है। 'द हंग्री टाइड' कहानी कुछ ज़्यादा ही भाषणबाजी किस्म की लगी, जो पर्यावरणीय बदलावों से बने संकटों को लेकर ज्यादा प्रयास न करने पर हमें डांटती है। 'घोस्ट आई' की कहानी वहां से शुरू होती है जहां पर 'गन आइलैंड' खत्म हुई थी। यहां तक कि कई किरदारों के नाम भी एक जैसे हैं। मनसा देवी कहानी के केंद्र में बनी रहती हैं। जैसे–जैसे सच गल्प से टकराता है, अमिताव घोष ब्रह्मांड को समेटने की कोशिश करते हैं, पूर्व जन्मों को, इंसानों और गैर–इंसानों, और सब कुछ विज्ञान और पौराणिक कथाओं की हांडी में डाल कर पकाते हैं। कहानियों के संग्रह 'कथासरित्सागर' के सागर मंथन में कहानी 'घोस्ट आई' सबसे ऊपर उभरती है, जो असीम, दिखावा रहित प्यार की कहानी है।

चंडीगढ़ से सटे, पंचकूला में भी, माता मनसा देवी का एक मंदिर है, जिन्हें शक्ति स्वरूप में पूजा जाता है। यह साफ नहीं है कि क्या ये वही मनसा देवी हैं जो 'घोस्ट आई' के केंद्र में नागों की देवी हैं, लेकिन अगर वही हैं, तो शायद घोष के बताए जीवन के नुस्खे पर पुनर्विचार का समय आ गया है, जब वे कार्ल जंग से सहमति जताते हुए उद्धृत करते हैं : 'कुछ भी संयोगवश नहीं होता, महज समकालिकता होती है'। कहने का अभिप्राय है कि जब आप सप्ताहांत में इस उस्ताद लेखक को पढ़ते हैं, तो यह महज पढ़ना भर नहीं रहता, बल्कि यह किताबों, पठन, शिक्षा और सीखने के बीच के संबंध ा को फिर से जोड़ने का भी समय भी बन जाता है।

# सभी जिलों में खुलेगी एक जिला एक व्यंजन की कैंटीन –केशव मौर्य

**संवाददाता–कुशीनगर।** उत्तर प्रदेश के ओडीओपी योजना के एक जिला एक उत्पाद कार्यक्रम को आज पूरा देश लागू कर रहा है। अब इस योजना के तहत एक जिला एक व्यंजन को प्रदेश सरकार ब्रांडिग करने जा रहे है। जिसके तहत प्रदेश के सभी 75 जिलों में उस शहर के व्यंजन की कैंटीन समूह की दीदियों के माध्यम से खुलवाकर उसकी ब्रांडिंग, पैकेजिंग करने के साथ ही उसे देश विदेश में बेचने का कार्य कराने की योजना सरकार के पास है। जिसे जल्द ही लागू किया जाएगा। ये बातें उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने जनपद के तमकुहीराज कस्बे से सटे गाजीपुर में एक निजी स्कूल के उद्घाटन कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि सभा को संबोधित करते हुए कहीं।

शनिवार को तमकुहीराज के गाजीपुर में स्थित एक निजी विद्यालय बीबीके एजुकेशन एकेडमी के उद्घाटन कार्यक्रम में आए प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव मौर्या ने विद्यालय परिसर में कृषि विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पंचायती राज विभाग, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन सहित तमाम विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के उपरांत उन्होंने लगभग पांच मिनट के अपने संबोधन में समूह की 30 लाख दीदियों को लखपति बनाने के बाद एक करोड़ समूह की दीदियो को लखपति बनाने, प्रदेश के साढ़े सात हजार समूहों को करोड़ पति समूह बनाने, ओडीओपी योजना के तहत एक जिला एक उत्पाद के तर्ज पर एक जिला एक व्यंजन की ब्रांडिंग, पैकेजिंग, बिक्री का प्रबंध करने, प्रदेश की डबल इंजन सरकार द्वारा चलाई जा रही अन्य तमाम महत्वकांशी योजनाओं की जानकारी देते हुए निजी स्कूल के आयोजन कर्ताओं को तमकुहीराज क्षेत्र में बेहतर स्कूल का निर्माण कर शिक्षा की अलख जगाने के लिए बधाई दिया। कार्यक्रम को राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के पूर्व सर कार्यवाह सुरेश भैया जी जोशी, सह सर कार्यवाह कृष्ण गोपाल, सांसद देवरिया शशांक मणि त्रिपाठी, क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय, विधायक डा.असीम कुमार आदि ने संबोधित किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत स्वयं सहायता समूह में विशेष योगदान देने वाले कार्यकर्ताओं एवं मूक बधिर एवं विकलांग विभाग द्वारा लाभार्थियों को डेमो चेक के माध्यम से प्रोत्साहित की गई।

# जमीनी विवाद में घर में घुसकर मारपीट, वीडियो वायरल

**संवाददाता–महराजगंज।** कोल्हुई थाना क्षेत्र के पिपरा–परसौनी गांव से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां मामूली विवाद ने देखते ही देखते हिंसक रूप ले लिया। आरोप है कि एक पड़ोसी ने घर की चारदीवारी लांघकर घर के अंदर जमकर तांडव मचाया। जमकर मारपीट की। महिलाओं के साथ बर्बरता की गई। घटना का वीडियो बनाकर किसी ने सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया है।

हालांकि हिन्दुस्तान इस वायरल वीडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं करता है। वीडियो वायरल होने के बाद पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। वायरल वीडियो में आरोपी जमकर मनमानी करता नजर आ रहा है। इससे लोगों में भय और आक्रोश का माहौल है।

वहीं, वीडियो के वायरल होते ही पुलिस हरकत में आई और तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी को हिरासत में ले लिया। प्रभारी एसओ सत्यप्रकाश त्रिपाठी ने बताया कि एक व्यक्ति के खिलाफ शांतिभंग की कार्रवाई की गई है। दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

# हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग पर अड़ा परिवार, अंतिम संस्कार से इनकार

**संवाददाता–महराजगंज।** फरेंदा थाना क्षेत्र के ग्राम बैकुंठपुर निवासी 19 वर्षीय आदित्य चौरसिया की हत्या के बाद पूरे इलाके में तनाव और आक्रोश का माहौल बना हुआ है। पोस्टमार्टम के बाद शव घर पहुंचा तो परिजनों ने अंतिम संस्कार से इनकार कर दिया। परिजन व लोग पहले हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग पर अड़ गए हैं। शुक्रवार को आदित्य का शव गांव के बाहर स्थित एक गेहूं के खेत से बरामद होने के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई थी। शव मिलने की सूचना पर बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंच गए। घटना के बाद से पीड़ित परिवार का रो–रोकर बुरा हाल है। परिजनों ने साफ शब्दों में कहा है कि जब तक इस हत्याकांड में शामिल आरोपितों की गिरफ्तारी नहीं हो जाती, तब तक वे आदित्य का अंतिम संस्कार नहीं करेंगे। परिवार का कहना है कि आदित्य की सुनियोजित तरीके से निर्मम हत्या की गई है और उन्हें केवल आश्वासन नहीं, बल्कि ठोस और त्वरित कार्रवाई चाहिए। परिजनों ने यह भी मांग की है कि घटना के समय गायब हुआ आदित्य का मोबाइल फोन और जूता जल्द से जल्द बरामद किया जाए। उनका कहना है कि ये दोनों अहम साक्ष्य हैं, जिनसे हत्या की सच्चाई सामने आ सकती है। जब तक इनकी रिकवरी नहीं होती, परिवार अंतिम संस्कार को तैयार नहीं है।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मौके पर सीओ फरेंदा अनिरुद्ध कुमार परिजनों से बातचीत कर अंतिम संस्कार करने की बात कर रहे हैं। इसके साथ ही एहतियात के तौर पर कई थानों की पुलिस फोर्स गांव में तैनात कर दी गई है। पुलिस प्रशासन हालात पर लगातार नजर बनाए हुए है। जांच के क्रम में पुलिस ने डॉग स्क्वायड की टीम को भी लगाया। डॉग स्क्वायड घटनास्थल से सुराग सूंघते हुए लेजार महदेवा के उस घर में घुसा, जिस घर की युवती से आदित्य के संबंध होने की चर्चाएं आम हो गई हैं। इसके बाद पुलिस ने प्रेम प्रसंग से जुड़े एंगल पर भी जांच तेज कर दी है।

हत्या के खुलासे के लिए पुलिस ने तीन विशेष जांच टीमें गठित की हैं। इस दौरान कई संदिग्धों को चिह्नित कर उनसे पूछताछ की जा रही है। जल्द ही मामले में अहम खुलासे होने की संभावना है। स्थानीय लोगों में घटना को लेकर भारी आक्रोश है और वे पीड़ित परिवार को शीघ्र न्याय दिलाने की मांग कर रहे हैं। पुलिस सभी पहलुओं पर बारीकी से जांच कर रही है और जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ मोबाइल व अन्य साक्ष्यों की बरामदगी कर मामले का खुलासा करने की बात कर रही है।

# 68 कार्यपालक मजिस्ट्रेट बोर्ड परीक्षा में रोकेंगे नकल

**संवाददाता–महराजगंज।** यूपी बोर्ड की परीक्षा 18 फरवरी से शुरू होगी। परीक्षा को नकल विहीन, पारदर्शी व सुचितापूर्ण ढंग से कराने के लिए 68 कार्यपालक मजिस्ट्रेट तैनात किए जाएंगे। ये कार्यपालक परीक्षा केंद्रों की लगतार निरीक्षण करेंगे। इन्हें मजिस्ट्रेट का पावर दिया जाएगा। माध्यमिक शिक्षा सचिव के निर्देश पर जिला विद्यालय निरीक्षक प्रदीप शर्मा ने कार्यपालक तैनात किए जाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। कार्यपालक मजिस्ट्रेट के रूप में राजस्व अधिकारी, भूमि अर्जन अधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, सहायक निदेशक चकबंदी, चकबंदी अधिकारी, सहायक अभियंता ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, सहायक अभियंता लघु सिंचाई, सहायक अभियंता जिला परिषद, बेसिक शिक्षा अधिकारी, प्रधानाचार्य राजकीय इंटर कालेज, सह जिला विद्यालय निरीक्षक, उप निदेशक कृषि, जिला उद्यान अधिकारी, जिला कृषि अधिकारी, जिला कृषि रक्षा अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, पशु चिकित्साधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी, अपर मुख्य अधिकारी जिला परिषद, जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला बचत अधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी, जिला उद्योग केंद्र, जिला प्रोबेशन अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला आबकारी अधिकारी समेत 68 अधिकारी तैनात किए जाएंगे।

ये कार्यपालक मजिस्ट्रेट परीक्षा के दौरान परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण करेंगे। इसके अलावा प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर एक–एक स्टैटिक मजिस्ट्रेट तैनात रहेंगे। पांच सचल दल, जोनल व सेक्टर मजिस्ट्रेट की रहेगी निगरानी इसके साथ ही पांच सचल दल, पांच जोनल व 12 सेक्टर मजिस्ट्रेट भी तैनात किए जाएंगे। परीक्षा 18 फरवरी से 104 केंद्रों पर होगी। यहां कुल 70701 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। इसमें हाईस्कूल के 38961 परीक्षार्थी शामिल हैं। जिसमें 19614 बालक व 19346 बालिका हैं। वहीं इंटरमीडिएट में कुल 31740 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। जिसमें 16039 बालक व 15701 बालिका शामिल हैं। यूपी बोर्ड की परीक्षाएं 18 फरवरी से शुरू होंगी। परीक्षा को नकल विहीन, पारदर्शी व सुचितापूर्ण ढंग से कराने के लिए कार्यपालक मजिस्ट्रेट तैनात किए जाएंगे। प्रदीप कुमार शर्मा, जिला विद्यालय निरीक्षक

# सड़क चौड़ीकरण विवाद में परिवार ने लगाया मकान बिकाऊ का पोस्टर



**संवाददाता–महराजगंज।** भिटौली थाना क्षेत्र के डेरवा गांव में सड़क चौड़ीकरण को लेकर एक विवाद सामने आया है। विवाद से आहत एक परिवार ने अपने घर के बाहर कागज पर मकान बिकाऊ है का पोस्टर लिखकर चस्पा कर दिया। इसके साथ ही हिन्दू परिवार पलायन के लिए मजबूर जैसा स्लोगन भी लिखा है। पोस्टर हाथों में लिए शिकायतकर्ता गंगाधर पांडेय अपनी बुजुर्ग मां के साथ घर से बाहर काफी देर तक खड़ा रहा। गंगाधर पांडेय का कहना है कि मुख्य सड़क से उसके घर तक जाने वाला मार्ग पहले इतना चौड़ा था कि ट्राली–ट्रैक्टर सहित बड़े वाहन भी आसानी से आते–जाते थे।

31 जनवरी को प्रधान द्वारा सड़क निर्माण कार्य शुरू कराए जाने की बात थी, लेकिन गांव के कुछ लोगों ने सड़क की चौड़ाई कम करने का दबाव बनाना शुरू कर दिया। आरोप है कि अब बनने वाली सड़क इतनी संकरी हो जाएगी कि कार तक का निकलना मुश्किल होगा। शिकायतकर्ता ने बताया कि उन्होंने सड़क चौड़ीकरण के संबंध में ब्लाक से लगायत जिले तक के अधिकारियों को लिखित पत्रक देकर न्याय की गुहार लगाई, लेकिन अब तक कोई पहल नहीं हुई। मामले का समाधान न निकलने से उसका परिवार मानसिक तनाव में है। इस संबंध में भिटौली थानाध्यक्ष मदन मोहन मिश्र ने बताया कि मौके पर शांति व्यवस्था बनी हुई है। यह सड़क चौड़ीकरण से जुड़ा प्रशासनिक मामला है, जिसका निस्तारण बीडीओ परतावल और राजस्व विभाग द्वारा किया जाएगा। वहीं, खंड विकास अधिकारी संतोष कुमार यादव ने कहा कि उन्हें डेरवा गांव में सड़क निर्माण या किसी विवाद की सूचना नहीं मिली है। जानकारी मिलने पर जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

# पांटून पुल बनने के बाद ही बंद होगा घाघरा संजय सेतु, विधायकों के मिलने के बाद योगी के निर्देश



**संवाददाता–गोण्डा।** घाघरा नदी के संजय सेतु की मरम्मत के लिए 60 दिन के लिए यातायात पूरी तरह से बंद होने की बात के बीच लखनऊ से बहराइच, श्रावस्ती, गोंडा और बलरामपुर आने और जाने वालों के लिए राहत की खबर सामने आई है। घाघरा नदी पर बना संजय सेतु अब पांटून पुल बनने के बाद ही मरम्मत के लिए बंद होगा। गोंडा के पांच विधायकों ने गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलकर पुल बंद करने से पहले पांटून पुल की व्यवस्था करने की मांग की थी। मुख्यमंत्री योगी के निर्देश के बाद लोक निर्माण विभाग के प्रमुख सचिव अजय चौहान ने इस संबंध में एनएचएआई के परियोजना निदेशक को आदेश दे दिए हैं।

एनएचएआई के परियोजना निदेशक नकुल प्रकाश वर्मा ने बताया कि लोनिवि के प्रमुख सचिव ने उन्हें पांटून पुल बनाने के बाद ही गांधी सेतु बंद करने के आदेश दिए हैं। पांटून पुल लोक निर्माण विभाग बनाएगा और इसक खर्च एनएचएआई वहन करेगा। पांटून पुल बनाने की लागत विभाग से इस्टीमेट आने के बाद ही पता चलेगी। मरम्मत के लिए पुल दो महीने बंद करने की योजना है।

जानकारी के मुताबिक पहले आवागमन के लिए पुल 10 फरवरी से बंद होना था। एनएचएआई ने इसके लिए पुल के उस पार पड़ने वाले जिलों से अनापत्ति मांगी थी। जिलों ने वैकल्पिक रास्ता होने तक अनापत्ति देने से इनकार कर दिया था। नकुल ने बताया कि पांटून पुल बनने में 15 से 20 मार्च तक का वक्त लग सकता है। प्रयागराज माघ मेला में लगा पांटून पुल यहां लाया जाएगा और फिर उसे घाघरा नदी पर बांधा जाएगा। पांटून पुल पर पैदल, छोटे वाहन आदि चलने की अनुमति होगी। भारी वाहनों को डायवर्ट किया जाएगा। यह काम पूरा होने के बाद ही संजय सेतु की मरम्मत हो सकेगी।

निर्माण साल 1981 में शुरू हुआ और तत्धकालीन मुख्ध्यमंत्री विश्ध्वनाथ प्रताप सिंह यानी वीपी सिंह ने 9 अप्रैल, 1981 को इसकी आधारिशला रखी थी. इससे बनने में 3 साल लगे और 1984 में इस पुल को जनता के लिए खोल दिया गया था। तब यह यूपी का सबसे लंबा पुल माना जाता था। फिलहाल पुल की हालत काफी जर्जर हो चुकी है और अब इसे बंद करके मरम्ध्मत करना जरूरी है। इस पर गोंडा, बलरामपुर, बहराइच, श्रावसती के यात्रियों और मालवाहक वाहनों का सीधा लोड है। इस रास्ते से नेपाल बार्डर के जिलों के निवासियों और सिद्धार्थनगर से भी लोगों का आवागमन हो रहा है। ऐसे में लगभग 70–75 हजार से अधिक लोगों का रोजाना आवागमन है।

# आठ घण्टे बाद रात को 2 बजे खत्म हुआ धरना, मृतक की हुई अंत्येष्टि

**संवाददाता–देवरिया।** गोताखोर सुरेंद्र साहनी की मौत के बाद दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई और मुआवजे की मांग को लेकर चल रहा धरना आठ घण्टे बाद प्रशासन के आश्वासन पर रात को दो बजे खत्म हुआ। धरना खत्म होने के बाद पुलिस प्रशासन ने राहत की सांस ली। धरना के बाद गौरा घाट पर कड़ी सुरक्षा में सुरेंद्र का अंतिम संस्कार हुआ। गौरा निवासी गोताखोर सुरेंद्र साहनी की गुरुवार को शरीर में डूबने से मौत हो गई थी। वह दो फरवरी को नदी में डूबे परसिया देवार निवासी किसान धरमू प्रसाद की तलाश कर रहा था। उसकी मौत के बाद सुरेंद्र के परिजनों ने पुलिस पर घर से पकड़कर कर ले जाने की बात कहते हुए मौत के लिए पुलिस को जिम्मेदार ठहराया था। शाम को पोस्टमार्टम के बाद शव करीब छह बजे गौरा स्थित उसके घर पहुंचा। सुरेंद्र के परिजनों पर मोहल्ले के लोगों ने दोषी पुलिस कर्मियों पर कार्रवाई और नौकरी की की मांग को लेकर बरहज– गौरा मार्ग पर चक्का जाम कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने वहां से शव हटाने का प्रयास किया, जिसको लेकर दोनों पक्षो में धक्का–मुक्की हुई। बात बिगड़ती देख उप जिलाधिकारी विपिन कुमार द्विवेदी, अपर पुलिस अधीक्षक सुनील कुमार सिंह, क्षेत्राधिकारी राजेश चतुर्वेदी, तहसीलदार अरुण कुमार के साथ बरहज के अलावा रुद्रपुर, मईल, खुखुंदू और भलुअनी थाने की फोर्स मौके पर पहुंच गई। अफसरों ने पीड़ित पक्ष को हर संभव मदद का भरोसा दिलाया, लेकिन पीड़ित दोषी पुलिस कर्मियों पर कार्रवाई, पत्नी को नौकरी और एक करोड़ मुआवजे की मांग पर अड़े रहे। नौकरी और मुआवजे को लेकर उपजिलाधिकारी ने नियमों का हवाला देकर अधिकतम पांच लाख मुआवजा, मृतक की पत्नी को नपा में आउटसोर्सिंग की नौकरी और दो बच्चों को वाल्मिकी शिक्षा योजना का लाभ देने का भरोसा दिलाया। इसके बाद पीड़ित लिखित आश्वासन और नकद मुआवजे की मांग करने लगे। काफी मशक्कत और घण्टों मान मनौव्वल के बाद रात को दो बजे प्रशासन के आश्वासन पर धरना समाप्त हुआ। विपिन कुमार द्विवेदी, एसडीएम ने बताया कि मृतक की पत्नी को नपा में आउटसोर्सिंग की नौकरी, दो बच्चों को वाल्मीकि शिक्षा योजना के तहत नामांकन कराया जाएगा। शासन की दुर्घटना हित लाभ योजना का भी लाभ दिया जाएगा।

# फोरलेन पर यात्रियों से भरी बस पलटने से बची, टकरा कर दो बाइक सवार घायल

**संवाददाता–कुशीनगर।** । पटहेरवा थाना क्षेत्र के फोरलेन स्थित पटहेरिया रजवटीया के बीच शुक्रवार की रात बिहार से दिल्ली जा रही यात्रियों से भरी एक लग्जरी बस मिट्टी के बने डिवाइडर पर चढ़ गई। बस पलटने से बाल बाल बची। वहीं घटना के बाद पीछे से आ रहे दो बाइक पर सवार आधा दर्जन लोग बस में टकरा कर घायल हो गए। मौके पर पहुची पुलिस ने बाइक सवारो अस्पताल पहुचाया। पुलिस व एन एच आई कि टीम ने बस से यात्रियों को बाहर निकाल कर दूसरे बस से गनतब्य को भेजा। पटहेरवा थाना क्षेत्र के फोरलेन स्थित पटहेरिया चौराहे पर शुक्रवार की देर रात बिहार के सिमराई से दिल्ली जा रही एक लग्जरी बस के चालक के झपकी आ जाने से बस पटहेरिया व रजवटिया गाव के बीच बने मिट्टी के अस्थायी डिवाइडर पर चढ़ कर अटक गई। बस बाल बाल पलटने से बची उसी दौरान पीछे से आ रहे दो बाइक पर सवार छ लोग बस में टकरा कर बुरी तरह से घायल हो गए।घायल बाइक सवार नीतीश कुमार पुत्र परमेश्वर प्रसाद उम्र 26,राजन,कुमार पुत्र गरजु प्रसाद उम्र 29,रोहित पुत्र रामरतन उम्र 25,निरंजन कुमार पुत्र सुबास प्रसाद,32, राजन प्रसाद पुत्र किंनदेव प्रसाद 30,समीर पुत्र अनिल प्रसाद,35 निवासी शंकर पट्टी थाना चौरा खास के निवासी हैं।मौके पर पहुची पुलिस ने एम्बुलेंस से सभी घायलों को इलाज के लिये अस्पताल भेजवाया। पुलिस व एन एच आई कि टीम ने बस में बैठे सभी यात्रियों को शुकुशल बाहर निकाला।पटहेरवा एस ओ धीरेन्द्र राय ने बताया की घायल बाइक सवारों को अस्पताल भेजवा दिया गया। बस के सभी यात्री सकुशल हैं।दूसरे बस से आधे यात्रियों को दिल्ली भेज दिया गया है शेष बचे यात्रियों को भेजने की ब्यवस्था की जा रही है।

# मिठौरा को 1.10 करोड़ की शिक्षा परियोजना, डिजिटल होंगे 23 विद्यालय

**संवाददाता–महराजगंज।** आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम के अंतर्गत मिठौरा ब्लाक में शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा मिलने जा रही है। नीति आयोग ने मिठौरा ब्लॉक के लिए 1 करोड़ 10 लाख 11 हजार की शिक्षा परियोजना को स्वीकृति प्रदान की है। इससे ब्लाक क्षेत्र के 23 विद्यालय डिजिटल होंगे और 3235 छात्र–छात्राएं सीधे तौर पर लाभान्वित होंगी। इस महत्वाकांक्षी परियोजना का उद्देश्य ग्रामीण और शहरी शिक्षा के बीच के अंतर को समाप्त करना है। डीएम संतोष कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में तैयार की गई इस योजना के तहत मिठौरा विकासखंड के 23 परिषदीय विद्यालयों को नीति आयोग के मापदंडों के अनुरूप डिजिटल रूप से संतृप्त किया जाएगा।

इनमें 14 प्राथमिक, 3 उच्च प्राथमिक तथा 6 कम्पोजिट विद्यालय शामिल हैं, जिससे कुल 3235 छात्र–छात्राएं लाभान्वित होंगे। परियोजना के अंतर्गत प्रत्येक विद्यालय में एलईडी टीवी (एचडी कैमरे सहित), दो कंप्यूटर, हाई स्पीड इंटरनेट, सीसीटीवी कैमरा, डिजिटल लाइब्रेरी, एनसीईआरटी की 400 पुस्तकें, आलमारी, कुर्सी–मेज, कंप्यूटर टेबल और रैक जैसी आधुनिक शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। साथ ही ऑनलाइन पढ़ाई की व्यवस्था भी की जाएगी, जिससे परिषदीय विद्यालयों के बच्चों को कॉन्वेंट स्कूल जैसी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके। 9 वनटांगिया विद्यालयों में लगाए जाएंगे सोलर सिस्टम डीएम की पहल पर जिले के 9 वनटांगिया विद्यालयों में सोलर सिस्टम लगाए जाएंगे, जिससे बिजली की समस्या से जूझ रहे इन विद्यालयों में नियमित पठन–पाठन संभव हो सकेगा। वनवासी क्षेत्रों के बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने में मदद मिलेगी। बच्चों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए कक्षाओं में मॉनिटर प्रणाली लागू कर नेतृत्व क्षमता विकसित करने का भी प्रयास किया जाएगा। छात्रों की शैक्षणिक प्रगति की निगरानी के लिए पैरेंट्स क्लब का गठन किया जाएगा। इसके अलावा ब्लॉक व जिला स्तरीय अधिकारी नियमित निगरानी करेंगे तथा ग्रुप कॉल के माध्यम से भी छात्रों की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। एनसीईआरटी पुस्तकों के अध्ययन के लिए प्रोग्रेस चार्ट भी तैयार किया जाएगा। आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम नीति आयोग की पहल है, जिसका उद्देश्य देश के पिछड़े विकास खंडों में शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, कृषि, कौशल विकास व बुनियादी ढांचे के क्षेत्रों में तेज और परिणाम–आधारित विकास सुनिश्चित करना है। मिठौरा ब्लॉक में इस परियोजना से शिक्षा के स्तर में गुणात्मक सुधार होगा और बच्चों का भविष्य सशक्त बनेगा। संतोष कुमार शर्मा, डीएम

# सूर्या सीनियर सेकेंडरी स्कूल में वार्षिक उत्सव की तैयारियां पूरी

**–भारतीय बस्ती संवाददाता– संतकबीरनगर।** जनपद के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान सूर्या सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आगामी 10 और 11 फरवरी को आयोजित होने वाले भव्य कार्यक्रमों को लेकर उत्साह चरम पर है। विद्यालय प्रशासन ने श्गुडलकश सेरेमनी और श्ऐतिहासिक वार्षिक उत्सवश की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। कार्यक्रमों को भव्य रूप देने के लिए शनिवार को विद्यालय के प्रबंध निदेशक डॉ. उदय और निदेशिका सविता चतुर्वेदी ने स्टाफ के साथ समीक्षा बैठक कर आवश्यक दिशा–निर्देश जारी किए।निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, 10 फरवरी को विद्यालय में श्गुडलकश कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान कक्षा 10वीं के छात्र–छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की जाएगी और उन्हें आगामी बोर्ड परीक्षाओं व जीवन की नई चुनौतियों के लिए प्रेरित किया जाएगा।11 फरवरी को आयोजित होने वाला वार्षिक उत्सव इस वर्ष बेहद खास होने वाला है। विद्यालय के उप प्रधानाचार्य शरद त्रिपाठी ने बताया कि इस ऐतिहासिक धरा पर छात्र–छात्राएं विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि यह आयोजन जनपद के सबसे यादगार कार्यक्रमों में से एक होगा, जिसके लिए रिहर्सल और साज–सज्जा का काम अंतिम चरण में है।बैठक के दौरान प्रबंध निदेशक डॉ. उदय ने कार्यक्रम की रूपरेखा साझा करते हुए कहा कि विद्यालय का लक्ष्य बच्चों के सर्वांगीण विकास को प्रदर्शित करना है।

# सोनौली सीमा पर मैत्री बस से छह किलो गांजा बरामद



**संवाददाता–महराजगंज।** भारत–नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा पर स्थित सोनौली में सुरक्षा बलों और सीमा शुल्क विभाग की संयुक्त टीम ने एक बड़ी कार्रवाई में तस्करी की कोशिश को नाकाम कर दिया है। काठमांडू से दिल्ली जा रही नेपाल मैत्री बस सेवा की जांच के दौरान भारी मात्रा में गांजा जब्त किया गया है। जांच के दौरान टीम ने बस के विभिन्न हिस्सों में सावधानी से छिपाई गई गांजा की खेप का पता लगाया। गांजा मुख्य रूप से सीटों के नीचे, यात्रियों के सामान के बैगों और बस के छिपे हुए कम्पार्टमेंट में रखी गई थी। तस्करों ने इसे चालाकी से छिपाने की कोशिश की थी, लेकिन सतर्क अधिकारियों की नजरों से यह बच नहीं सकी।

प्रारंभिक जांच में बरामद गांजा की मात्रा करीब 6 किलोग्राम बताई गई है। सूत्रों के अनुसार अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी अनुमानित कीमत कई लाख से करोड़ों रुपये तक हो सकती है। सटीक मात्रा और मूल्यांकन की प्रक्रिया जारी है, लेकिन यह खेप निश्चित रूप से तस्करी नेटवर्क के लिए बड़ा झटका है। इस मामले में तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है, जिनमें बस के कुछ यात्री और संदिग्ध तस्कर शामिल हैं। कस्टम सुपरिटेंडेंट एस. त्यागी ने बताया कि एसएसबी और कस्टम की संयुक्त टीम ने बस की जांच के दौरान इन तीनों को हिरासत में लिया। उनसे गांजा बरामद होने के बाद अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पूछताछ में तस्करी के पूरे नेटवर्क, गांजा की उत्पत्ति, इसे दिल्ली या अन्य जगहों तक पहुंचाने की योजना और आगे की डिलीवरी के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी जुटाई जा रही है।

# बेरहमी से युवक का कत्ल, सीने में चाकू धंसा छोड़ गए कातिल, खेत में मिली लाश

**संवाददाता–गोरखपुर।** गीडा थाना क्षेत्र के पेवनपुर गांव में शनिवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब सरसों के खेत में एक अज्ञात युवक का खून से लथपथ शव मिला। युवक की बेरहमी से हत्या की गई थी। उसके सीने में चाकू धंसा हुआ था, जबकि शरीर पर कई जगह धारदार हथियार से किए गए गहरे जख्मों के निशान मिले हैं। सूचना मिलते ही गीडा थाना पुलिस के साथ ही वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। फिलहाल युवक की शिनाख्त नहीं हो सकी है। ग्रामीणों के मुताबिक, शनिवार सुबह जब वे खेतों की ओर गए तो सरसों के खेत में शव देखकर उनके रोंगटे खड़े हो गए। युवक जमीन पर औंधे मुंह पड़ा था और आसपास खून फैला हुआ था। मौके का मंजर देख साफ लग रहा था कि युवक पर धारदार हथियार से कई बार वार किया गया है। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि हत्या के बाद आरोपी चाकू को युवक के सीने में ही छोड़कर फरार हो गए। पुलिस को घटनास्थल से करीब 20 मीटर की दूरी पर शराब की खाली बोतलें और पानी के पाउच मिले हैं। इससे आशंका जताई जा रही है कि हत्या से पहले वहां शराब पार्टी हुई थी। कयास लगाए जा रहे हैं कि नशे की हालत में किसी बात को लेकर विवाद हुआ और बात इतनी बढ़ गई कि युवक की निर्मम हत्या कर दी गई।

जांच के दौरान मृतक के पास से इयरबड्स तो बरामद हुए हैं, लेकिन उसका मोबाइल फोन गायब है। मोबाइल न मिलने से लूट की आशंका भी जताई जा रही है। वहीं, यह भी माना जा रहा है कि हत्यारे पहचान छिपाने और साक्ष्य मिटाने के लिए मोबाइल अपने साथ ले गए हों। पुलिस मृतक की पहचान करने के लिए आसपास के थानों में सूचना भेज रही है और गुमशुदगी के मामलों से भी मिलान किया जा रहा है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल से फिंगरप्रिंट्स, खून के नमूने और अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए हैं, जो हत्यारों तक पहुंचने में मददगार साबित हो सकते हैं। एसपी नार्थ ज्ञानेंद्र ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम आने की संभावना है। रिपोर्ट के आधार पर मौत के कारणों और घटनाक्रम को स्पष्ट किया जाएगा। मौके से मिले साक्ष्यों के आधार पर जांच चल रही है और जल्द ही घटना का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

# बजट की आलोचना का कांग्रेस को हक नहीं, पहले अपने गिरेबां में झांके –बी एल वर्मा

**संवाददाता–गोरखपुर।** केंद्रीय राज्यमंत्री बी एल वर्मा ने कांग्रेस सांसद नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और इंडिया गठबंधन पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि केंद्रीय बजट 2026–27 की आलोचना करने का उन्हें कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की आलोचना से पहले अपने गिरेबां में झांकना चाहिए। अपने शासनकाल की नीतियों और परिणामों पर आत्ममंथन करना चाहिए। केंद्रीय राज्यमंत्री बी एल वर्मा शनिवार को एनेक्सी भवन समागार में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। पत्रकार वार्ता में उनके साथ जिला अध्यक्ष जर्नादन तिवारी, महानगर संयोजक राजेश गुप्ता, विधायक राजेश त्रिपाठी, महापौर डॉ मंगलेश कुमार श्रीवास्तव, राहुल श्रीवास्तव मंच पर उपस्थित रहे। वर्मा ने कहा कि कांग्रेस सरकारों ने वर्षों तक 'गरीबी हटाओ' का नारा दिया, लेकिन वास्तविक रूप से गरीबों को गरीबी से बाहर निकालने का काम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार में हुआ है। उनके अनुसार बीते 11 वर्षों में 25 करोड़ से अधिक लोग गरीबी रेखा से ऊपर आए हैं। वर्मा ने कहा कि आज देश का नागरिक आत्मगौरव के साथ भारत की प्रगति में योगदान दे रहा है। उन्होंने केंद्रीय बजट 2026–27 को नए भारत और नए उत्तर प्रदेश की दिशा तय करने वाला दस्तावेज बताया। यह पहला बजट है जो कर्तव्य भवन से प्रस्तुत हुआ है, जो नागरिकों को अधिकारों के साथ–साथ कर्तव्यों की भी याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि यह बजट युवा–शक्ति संचालित, वंचित–केंद्रित और समावेशी विकास पर आधारित है। किसान, युवा, महिला और गरीब ये चारों वर्ग बजट के केंद्र में हैं। वित्तीय अनुशासन, विकास और विश्वास के संतुलन के साथ यह बजट आने वाली पीढ़ियों के लिए मजबूत भारत की नींव रखता है। उत्तर प्रदेश के संदर्भ में उन्होंने कहा कि एमएसएमई सेक्टर के लिए 10 हजार करोड़ रुपये का विशेष फंड प्रदेश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। राज्य में लगभग 96 लाख एमएसएमई इकाइयां हैं, जिनसे तीन करोड़ से अधिक लोग जुड़े हैं। इसके साथ ही इंफ्रास्ट्रक्चर, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, खेल उद्योग और ग्रामीण विकास से जुड़े प्रावधानों को उन्होंने प्रदेश की आर्थिक प्रगति के लिए मील का पत्थर बताया।

## जिला पंचायत बोर्ड की बैठक में बजट और वित्तीय कार्ययोजनाओं पर मंथन

संवाददाता–गोरखपुर। जिला पंचायत बोर्ड की शनिवार को अध्यक्ष साधन सिंह की अध्यक्षता में चल रही बैठक में जिला पंचायत से जुड़े वित्तीय, विकासात्मक और प्रशासनिक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की जा रही है। खास बात यह है कि बैठक में जिला पंचायत के सदस्य स्वयं प्रतिभाग कर रहे हैं। जिला पंचायत गोरखपुर बोर्ड बैठक में वित्त 11 मार्च 2025 को आयोजित बैठक की कार्यवाही की पुष्टि पर विचार किया गया। इसके साथ ही जिला पंचायत के अधीन आने वाले विभिन्न विभागों द्वारा कराए गए कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक का प्रमुख फोकस वित्तीय विषयों पर है। इसमें जिला पंचायत के पुनरीक्षित बजट वर्ष 2025–26 और अनुमानित मूल बजट वर्ष 2026–27 के अनुमोदन पर चर्चा की जानी है। इसके अलावा विभव एवं सम्पत्ति कर की प्रस्तावित करदाता सूची के अनुमोदन का मुद्दा भी बैठक में रखा गया है। इसके अलावा राज्य वित्त आयोग एवं 15वें वित्त आयोग की संस्तुतियों के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026–27 की कार्ययोजना और पंचम वित्त आयोग और 15वें वित्त आयोग की अनुपूरक कार्ययोजना के अनुमोदन पर भी विचार होगा। बैठक के आखिर में अध्यक्षता संगीता सिंह की अनुमति से अन्य प्रस्तावों पर भी चर्चा होगी। जिला पंचायत की यह बैठक आने वाले वित्तीय वर्ष में विकास कार्यों की दिशा और प्राथमिकताओं को तय करने के लिहाज से काफी अहम मानी जा रही है। बैठक में विधायक फतेह बहादुर सिंह, प्रमुख क्षेत्र पंचायत अश्वनी जायसवाल, सदस्य राम दयाल यादव, सुरेश पासवान, सुधा सिंह, रवि प्रताप निषाद, मायाशंकर शुक्ला, नीलम शाही, पन्नेलाल, सुश्ा सिंह, सुरेश पासवान, रामजीत यादव समेत काफी संख्या में सदस्य और विभिन्न विभागों के प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

## लाखों के जेवरात और 15 हजार रुपये नकद चोरी

संवाददाता–संत कबीर नगर। नेदुला चौराहे पर स्थित एक मकान में छत के रास्ते घर में घुसे चोर लाखों रुपये के जेवरात और 15 हजार रुपये नकद ले उड़े। सुबह घटना की जानकारी घरवालों को हुई। सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। नेदुला चौराहे के निवासी अंकित यादव पुत्र सुरेंद्र यादव ने बताया कि उनके पिता सुरेंद्र यादव सिद्धार्थनगर जनपद में आबकारी विभाग में सरकारी चालक के पद पर तैनात हैं। गुरुवार की रात करीब दस बजे परिवार के सभी सदस्य भोजन के बाद अपने–अपने कमरों में सोने चले गए थे। इसी दौरान रात करीब दो बजे अज्ञात चोर छत के रास्ते मकान में दाखिल हुए। चोरों ने घर के दो कमरों में रखी अलमारियों के ताले तोड़कर उनमें रखी सोने की अंगूठी, सोने की माला, पायल सहित लाखों रुपये के जेवरात और 15 हजार रुपये नकद चोरी कर लिए। वारदात को अंजाम देने के बाद चोर मौके से फरार हो गए। सुबह जब परिवार की एक महिला सदस्य की नींद खुली तो उसने देखा कि दो कमरों के दरवाजे खुले हैं और सामान बिखरा पड़ा है।

# पति से मोबाइल पर बात करने के बाद महिला ने फंदे से झूलकर दी जान

संवाददाता–गोरखपुर। पिपराइच थाना क्षेत्र के बैलों में एक महिला ने पति से मोबाइल पर बातचीत करने के बाद छत की कुंडी से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके की जांच–पड़ताल कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मिली जानकारी के अनुसार, थाना क्षेत्र के ग्राम बैलों के सबहिया टोला निवासी त्रिलोकी मछली बेचकर परिवार का भरण–पोषण करते हैं। उनके पुत्र महेश की शादी करीब पांच वर्ष पूर्व इसी थाना क्षेत्र के ग्राम जंगल डुमरी नंबर एक निवासी जयप्रकाश की पुत्री वंदना से हुई थी। दंपती की कोई संतान नहीं थी। परिजनों के अनुसार, करीब एक माह पूर्व महेश मजदूरी के सिलसिले में चेन्नई चला गया था। घटना वाले दिन दोपहर में त्रिलोकी मछली बेचने बाजार गए हुए थे, जबकि छोटा पुत्र ब्रम्हा भी घर पर मौजूद नहीं था। इस दौरान वंदना घर में अकेली थी। ग्रामीणों का कहना है कि दोपहर में वंदना ने अपने पति महेश से मोबाइल फोन पर बातचीत की थी। इसके बाद शाम को जब त्रिलोकी घर लौटे तो मुख्य दरवाजा खुला मिला। अंदर कमरे में प्रवेश करने पर उन्होंने देखा कि वंदना का शव छत की कुंडी से फंदे के सहारे लटका हुआ है। यह दृश्य देख वह स्तब्ध रह गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए फोरेंसिक टीम को भी बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य जुटाए। सभी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद देर रात पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आत्महत्या के कारणों की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों से पूछताछ के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

## मारपीट के 2 दोषियों को कोर्ट ने सुनाई सजा

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। मारपीट से जुड़े सात साल पुराने एक आपराधिक मामले में शनिवार को न्यायालय ने अहम फैसला सुनाया है। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कक्ष संख्या एक के न्यायाधीश मोहम्मद रफी ने दो आरोपियों को दोषी करार देते हुए उन्हें एक–एक वर्ष के कारावास और अर्थदंड से दंडित करने का आदेश दिया। यह मामला वर्ष 2017 का है, जो थाना मिश्रौलिया क्षेत्र के सेमरा बाबा गांव से संबंधित था। अभियोजन पक्ष के अनुसार, आपसी विवाद के दौरान आरोपियों ने पीड़ित के साथ मारपीट की थी, जिससे उसे चोटें आई थीं। घटना के बाद से यह मामला न्यायालय में विचाराधीन था। लंबी सुनवाई, गवाहों के बयान और दस्तावेजी साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने निष्कर्ष निकाला कि आरोपियों पर मारपीट का आरोप प्रमाणित होता है। न्यायालय ने अपने फैसले में गम्भे उर्फ पृथ्वीराज पुत्र सन्ते उर्फ सन्तराम और विमला पत्नी गम्भे उर्फ पृथ्वीराज, निवासी सेमरा बाबा, थाना मिश्रौलिया को भारतीय दंड संहिता की धारा 323 के तहत दोषी माना।

# पुलिस का घेरा तोड़ भागी स्कॉर्पियो, गौरीबाजार में पलटी, दो की मौत

**संवाददाता–गोरखपुर।** पशु तस्करी के शक में पुलिस की घेराबंदी से भाग रही एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो देवरिया जिले के गौरीबाजार थाना क्षेत्र में डिवाइडर से टकराकर पलट गई। हादसे में स्कॉर्पियो सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को मेडिकल कॉलेज देवरिया में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, झंगहा थाना क्षेत्र में शुक्रवार की देर रात एसपी नार्थ ज्ञानेंद्र और एसपी साउथ दिनेश कुमार पुरी की पुलिस टीम क्षेत्र में वाहन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक पिकअप को रोककर जांच करने का प्रयास किया गया, लेकिन पिकअप चालक वाहन लेकर मौके से भागने लगा।

पुलिस ने पीछा कर पिकअप सवार एक युवक को पकड़ लिया, जबकि पिकअप में सवार दो शख्स वाहन समेत भाग निकले। बताया जा रहा है कि पिकअप के पीछे–पीछे चल रही एक स्कॉर्पियो में सवार लोग पुलिस को कुचलने की कोशिश करते हुए वहां से भाग निकले। पशु तस्करों के साथी होने के संदेह पर पुलिस ने स्कॉर्पियो का पीछा शुरू किया, इसके साथ ही देवरिया पुलिस को सूचना दी। देवरिया के गौरीबाजार थाना पुलिस को भी अलर्ट कर दिया गया। इसके बाद गौरीबाजार क्षेत्र में घेराबंदी की गई। पुलिस की घेराबंदी से बचने की कोशिश में स्कॉर्पियो चालक ने तेज रफ्तार में वाहन दौड़ाया और गाड़ी दूसरी लेने से मोड़कर भागने का प्रयास किया। इस बीच गौरीबाजार क्षेत्र में डिवाइडर से टकराकर स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्कॉर्पियो सवार घायलों को मेडिकल कॉलेज देवरिया पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने दो लोगों को मृत घोषित कर दिया। अन्य घायलों का इलाज जारी है। फिलहाल मृतकों और घायलों की पहचान की जा रही है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि सभी लोग कहां के रहने वाले हैं और क्या उनका संबंध बिहार के पशु तस्करी नेटवर्क से है। वहीं, गोरखपुर में पकड़े गए पिकअप सवार से भी गहन पूछताछ की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और तस्करी से जुड़े नेटवर्क का पर्दाफाश किया जाएगा।

## सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी श्रीप्रकाश पुत्र राम किशोर ग्राम कटया पो0 मंझरिया विक्रम जिला–बस्ती का निवासी है। पूर्व मे मेरा नाम विजय आनन्द चौधरी था और आधार कार्ड में श्रीप्रकाश चौधरी है। श्रीप्रकाश चौधरी तथा विजय आनन्द चौधरी दोनो नाम एक ही व्यक्ति हम प्रार्थी का ही है। मुझे अब श्रीप्रकाश चौधरी उर्फ विजय आनन्द चौधरी के नाम से जाना व पहचाना जाये।

**प्रार्थी**
**श्रीप्रकाश उर्फ विजय आनन्द चौधरी**

### अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
वाद सं0– C 202417000001587
धारा 210 उ0प्र0रा0 सहिता–2006
अदालत– श्रीमान अपर आयुक्त (न्यायिक) बस्ती मण्डल बस्ती
जिला–बस्ती
राधेश्याम आदि
बनाम
प्रकाश विश्वकर्मा आदि
1. प्रकाश विश्वकर्मा 2. कैलाश 3. भोलेशंकर पुत्रगण राममूरत विश्वकर्मा साकिन करहिया संघन तप्पा करही परगना रसूलपुर तहसील डुमरियागंज जिला–सिद्धार्थनगर 4. उ0प्र0 राज्य सरकार द्वारा कलेक्टर सिद्धार्थनगर 5. गांव पंचायत करहिया संघन द्वारा ग्राम प्रधान तहसील डुमरियागंज जिला–सिद्धार्थनगर 6. जगरन्नाथ पुत्र छविलाल साकिन करहिया संघन तप्पा करही परगना रसूलपुर तहसील डुमरियागंज जिला–सिद्धार्थनगर
**तारीख पेशी 13–02–2026**
अपील बनराजी के अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट
इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 13 महीना 02 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजवीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।
आज बतारीख 07 माह 02 सन 2026 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।
द0 हाकिम

### अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
प्रकीर्ण अपील सं0–54/2024
अदालत– श्रीमान द्वितीय अपर जिला जज महोदय बस्ती जिला–बस्ती
ठाकुर जी मंदिर मुण्डेरवा लोहदर
बनाम
सुशीला
बनामः– श्रीमती सोनमती पत्नी दयाराम मोहल्ला सेक्टर के0 1246 कानपुर रोड खजाना मार्केट के पास आशियाना एस0डी0ए0 कालोनी लखनऊ हाल मुकाम ग्राम मोहनाखेर तप्पा कपरी महसो परगना बस्ती पश्चिम तहसील व जिला बस्ती
**तारीख पेशी 26–02–2026**
अपील बनराजी के अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट
इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 26 महीना 02 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजवीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।
आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।
द0 हाकिम

### अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रपत्र)
(आर्डर 5 कायदा 3)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (ज्0डि0) खलीलाबाद बस्ती
जिला–बस्ती
इजरा वाद सं0 05/2025
रामउजागिर
बनाम
अंगद
1. अंगद पुत्र लालजी निवासी पसड़ा पोस्ट बानपुर हाल मुकाम कलवारी मुस्तहकम तप्पा कलवारी परगना नगर पूरब तहसील व जिला बस्ती
**तारीख पेशी 13–02–2026**
चूंकि उपरीनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्शित करने के लिये 2026 के माह 02 के 13 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।
मेरे हस्ताक्षार और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 20 के माह के दिवस को निकाली गयी।
द0 हाकिम

### अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान ग्राम न्यायालय रूधौली जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–355/2022
बाबूलाल
बनाम
सरकार उ0प्र0 आदि
5. ग्राम पंचायत कोहरा जरिये प्रधान कोहरा तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला बस्ती
**तारीख पेशी 21–02–2026**
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 21 माह 02 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजवीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बरसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

### अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुदाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) एफ0टी0सी0 बस्ती
जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–783/2001
रामसजीवन आदि
बनाम
श्रीराम आदि
3/2 करन उम्र 7 वर्ष पुत्र अर्जुन 3/3 काजल उम्र 10 वर्ष पुत्री अर्जुन नावालिगान ववलायत वली फुरतिला साकिनान मौजा बेलाड़े शुक्ल तप्पा रामगढ़ परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती
**तारीख पेशी 19–02–2026**
हरगाह मुददई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुददाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुददई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुददाअलेह बनाये जांय। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 19 माह 02 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।
बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

### अदालती नोटिस

प्रारूप 7
(देखे नियम–11 (1)
घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 की धारा–12 (1) के अधीन हाजिर होने के लिए सूचना
अदालत–श्रीमान जे0एम0/ एफ0 टी0 सी0 (सी0ए0डब्लू0) महोदय
बस्ती जिला–बस्ती
घरेलू हिंसा परिवाद वाद सं0 279/2025
थाना–कोतवाली
जिला–बस्ती
अन्जली देवी
बनाम
सुनील कुमार आदि
1. सुनील कुमार उम्र करीब 38 साल पुत्र श्याम नरायण (पति) 2. श्याम नरायण उम्र करीब 60 साल पुत्र अज्ञात (ससुर) 3. श्रीमती सुगानी देवी उम्र करीब 58 साल पत्नी श्याम नरायण (सास) निवासीगण शेरपुर रेहरवा कस्बा मगहर थाना कोतवाली खलीलाबाद जिला–संतकबीरनगर
–विपक्षीगण
**तारीख पेशी 28–02–2026**
याची ने घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 (2005 का 43) की धारा– 12 के अधीन आवेदन फाइल किया है/किये है। आपको यह कारण बताने के लिए कि क्यों न आवेदक द्वारा मांगे गये (अनुतोषो) को आपके विरुद्ध प्रदान कर दिया जाय व्यक्तिगत रूप से या सम्यक रूप से प्राधिकृत काउन्सेल के मार्पत तारीख 28 मास 02 सन् 2026 को बजे पूर्वान्ह/अपरान्ह में इस न्यायालय के समक्ष हाजिर होने का निर्देश दिया जाता है। इसमे असफल होने पर न्यायालय एक पक्षीय कार्यवाही करेगा। मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा के अधीन तारीख को दी गयी।
द0 हाकिम

### अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती
जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–436/2025
रामनाथ
बनाम
श्रीमती प्रिया आदि
1– श्रीमती प्रिया पत्नी संजय कुमार चौधरी 2– श्रीमती बबीता पत्नी राज कुमार 3– श्रीमती उमा पत्नी मोहनलाल 4. श्रीमती निर्मला पत्नी कृष्णमोहन 5. अमरीश चौधरी पुत्र स्व0 रामशंकर निवासीगण मौजा मिटहा पोस्ट गोनार तप्पा बड़गोपगार परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती
**तारीख पेशी 21–02–2026**
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 21 माह 02 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजवीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बरसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

### अदालती नोटिस

प्रारूप 7
(देखे नियम–11 (1)
घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 की धारा–12 (1) के अधीन हाजिर होने के लिए सूचना
अदालत–श्रीमान जे0एम0/ एफ0 टी0 सी0 (सी0ए0डब्लू0) महोदय
बस्ती जिला–बस्ती
घरेलू हिंसा परिवाद वाद सं0 172/2025
थाना–लालगंज
जिला–बस्ती
अदिता
बनाम
भाष्कर यादव आदि
1. भाष्कर यादव उम्र लगभग 29 वर्ष पुत्र राम प्रताप (पति) 2. राम प्रताप उम्र लगभग 55 वर्ष पुत्र अज्ञात (ससुर) 3. पंकज उम्र लगभग 28 वर्ष पुत्र राम प्रताप (जेठ) 4. विजय लक्ष्मी उम्र लगभग 26 वर्ष पत्नी पंकज (जेठानी) 5. रेशू उम्र लगभग 24 वर्ष 6. नीता उम्र लगभग 22 वर्ष 7. पिन्नू उम्र लगभग 21 वर्ष 8. बविता उम्र लगभग 29 वर्ष पुत्रीगण राम प्रताप (ननद) साकिनान राम परसहर थाना धनघटा जिला संतकबीरनगर
–विपक्षीगण/अभियुक्तगण
**तारीख पेशी 02–03–2026**
याची ने घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 (2005 का 43) की धारा– 12 के अधीन आवेदन फाइल किया है/किये है। आपको यह कारण बताने के लिए कि क्यों न आवेदक द्वारा मांगे गये (अनुतोषो) को आपके विरुद्ध प्रदान कर दिया जाय व्यक्तिगत रूप से या सम्यक रूप से प्राधिकृत काउन्सेल के मार्पत तारीख 02 मास 03 सन् 2026 को बजे पूर्वान्ह/अपरान्ह में इस न्यायालय के समक्ष हाजिर होने का निर्देश दिया जाता है। इसमे असफल होने पर न्यायालय एक पक्षीय कार्यवाही करेगा। मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा के अधीन तारीख को दी गयी।
द0 हाकिम

### अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
कम्प्यूटरीकृत वाद सं0–
C 202417000000890
धारा 210 उ0प्र0रा0 सहिता–2006
अदालत– श्रीमान अपर आयुक्त (न्यायिक) बस्ती जिला–बस्ती
मुन्नू आदि
बनाम
हृदयराम आदि
1. हृदयराम पुत्र बोधे 2. राज नरायन 3. सूर्य नरायन 4. अशोक कुमार पुत्रगण मेवालाल 5. दुर्गेश 6. सर्वेश 7. श्रीनेष पुत्रगण दीनानाथ 8. श्रीमती पूनम पत्नी दीनानाथ 9. करूणानिधान 10. दयानिधान 11. सुखनिधान 12. कला निधान 13. गुणनिधान पुत्रगण रामजी 14. श्रीमती सुदामा पत्नी रामजी निवासीगण ग्राम नाथपुर तप्पा आदमपुर परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला बस्ती 15. राधेश्याम पुत्र वधूर निवासी ग्राम लोढ़वा तप्पा आदमपुर परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला बस्ती 16. ग्राम पंचायत लोढ़वा जरिये प्रधान निवासी ग्राम अमरवला तप्पा आदमपुर परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला बस्ती
**तारीख पेशी 23–02–2026**
अपील बनराजी आदेश के अदालत सी0आर0ओ0 मुकाम बस्ती
मयरिखा 09 महीना 05 सन् 2024 ई0 रेस्पान्डेन्ट
इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 23 महीना 02 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजवीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।
आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।
द0 हाकिम


**दैनिक भारतीय बस्ती**
**संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय**
**स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।**

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट
अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
**गोरखपुर कार्यालय–**
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल **bhartiyabasti@gmail.com**
**dainikbhartiyabasti@gmail.com**